संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 253
पृष्ठ 8
बुधवार
03 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पीले दांतों को मोती जैसा...
विचार- संविधान के आलोक में विश्वास...
खेल- आईपीएल की ट्रॉफी जीतने के...

फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने का प्रस्ताव, सीएम बोले-

हमने माफिया को उत्तर प्रदेश से उखाड़ फेंका

गोरखपुर,संवाददाता। कुशीनगर की धरती से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास बनाम अराजकता के मुद्दे पर कहा कि पहले की सरकारों के समय उत्तर प्रदेश कट्टा–बम बनाने वालों की पहचान से जुड़ा था, जबकि आज वही उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है। पिछली सरकारें निर्दोष लोगों, व्यापारियों को लूटने के लिए कट्टा–बम बनाती थीं। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाती थीं, लेकिन हमने इन शोहदों को ठीक किया है। जो ठीक नहीं हुआ, बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया है।मंगलवार को कुशीनगर में 424 करोड़ की 278 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की विकृत मानसिकता ने कुशीनगर को बीमारी, भुखमरी बेरोजगारी दी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने इंसेफेलाइटिस और माफिया, दोनों पर प्रभावी प्रहार

करते हुए विकास, सुरक्षा, रोजगार का नया वातावरण तैयार किया है भगवान राम के पुत्र कुश, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की तपोभूमि कुशीनगर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जबकि 9–10 वर्ष पहले यह जनपद पहचान के संकट, इंसेफेलाइटिस, माफिया राज, भूख, बेरोजगारी और अव्यवस्था से जूझ रहा था। खनन माफिया का आतंक था, किसान शोषण का शिकार था, उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता था, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं बदहाल थीं तथा फाजिलनगर व कसया क्षेत्र में मुसहर समुदाय के लोगों की भूख से मौत की खबरें आती थीं। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नया रास्ता चुना और डबल इंजन सरकार के प्रयासों से कुशीनगर की तस्वीर बदल गई। आज जिले में लगभग 90 हजार गरीबों को आवास, 3.14 लाख से अधिक परिवारों को शौचालय, मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा सहित अनेक जनकल्याणकारी सुविधाएं मिल रही हैं। पहले दंगे, अपराध और अराजकता प्रदेश की पहचान बन गए थे, जबकि आज सुरक्षा, विकास और गरीब कल्याण नई पहचान है। बिना रुके, बिना डिगे और बिना झुके सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस कुशीनगर में कभी मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय और एयरपोर्ट की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी, आज वहां अपना मेडिकल कॉलेज, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसी सुविधाएं साकार रूप ले चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने इसका श्रेय जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों को देते हुए कहा कि पहले तमकुही राज और फाजिलनगर विकास नहीं, उपेक्षा और मजाक का विषय बने हुए थे, जबकि आज विधायक और सांसद के प्रयासों से विकास परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने का प्रस्ताव भेजा गया है, जिससे यह क्षेत्र भगवान महावीर की विरासत से जुड़कर वैश्विक पहचान प्राप्त करेगा। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण सदियों के संघर्ष, आस्था और संकल्प की विजय का प्रतीक है। 498 वर्ष पूर्व भगवान राम की जन्मभूमि पर विदेशी आक्रांता द्वारा मंदिर ध्वस्त किए जाने के बाद अनेक पीढ़ियां इसके पुनर्निर्माण के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन राम मंदिर निर्माण को वास्तविक गति डबल इंजन की भाजपा सरकार के कार्यकाल में मिली। कांग्रेस आजादी के बाद चाहती तो राम मंदिर बना सकती थी, लेकिन उसने नहीं बनने दिया। समाजवादी पार्टी तो घोषित रूप से रामद्रोही रही है। लोकतंत्र में जनता के एक वोट की ताकत का परिणाम अयोध्या, लखनऊ और दिल्ली तक दिखाई देता है। इसी जनादेश की ताकत से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ, जम्मू–कश्मीर से धारा 370 समाप्त हुई और उत्तर प्रदेश ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण केंद्र बन रहा है।

री–इवैल्यूएशन पोर्टल पर बड़ा साइबर हमला

दो मिनट में आए 15 लाख हिट, अब तक 16 हजार छात्रों ने भरा फॉर्म

नई दिल्ली,एजेंसी। सीबीएसई के री–इवैल्यूएशन पोर्टल पर मंगलवार को भारी ट्रैफिक के बीच साइबर अटैक की कोशिश की गई। बोर्ड के अनुसार कुछ दुर्भावनापूर्ण तत्वों ने पोर्टल की सेवाओं को बाधित करने के लिए लगातार साइबर हमले किए। इसके बावजूद हजारों छात्रों ने सफलतापूर्वक अपनी आवेदन प्रक्रिया पूरी की। सीबीएसई ने जानकारी दी कि फिलहाल री–इवैल्यूएशन पोर्टल एक समय में 8,000 से अधिक रीयल टाइम यूजर्स (concurrent users) को सपोर्ट कर रहा है। मंगलवार दोपहर 3 बजे तक 16,000 से ज्यादा छात्र सफलतापूर्वक अपने आवेदन जमा कर चुके थे। बोर्ड के अनुसार हाल ही में पोर्टल पर डिनायल ऑफ सर्विस (क्वै) अटैक की कोशिश की गई। इस दौरान महज 2 मिनट के भीतर पोर्टल पर करीब 15 लाख हिट दर्ज किए गए। इसके

अलावा 1 लाख से अधिक बार अनधिकृत फाइल एक्सेस करने की कोशिश भी की गई। सीबीएसई ने कहा कि उसकी तकनीकी टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ताकि छात्रों को किसी तरह की परेशानी न हो। सीबीएसई ने बताया कि छात्रों से मिले सुझावों और फीडबैक के आधार पर पोर्टल में कुछ सुधार भी किए गए हैं। इसमें सत्र की समय सीमा बढ़ाना भी शामिल है ताकि छात्र बिना किसी जल्दबाजी के आसानी से आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकें। बोर्ड का कहना है कि प्लेटफॉर्म को अधिक सुविधाजनक और सुचारु बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। सीबीएसई ने कहा कि उसकी टीमें पूरी सतर्कता और सक्रियता के साथ काम कर रही हैं। बोर्ड ने भरोसा दिलाया कि छात्रों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और पोर्टल को सुरक्षित बनाए रखने के लिए तकनीकी निगरानी लगातार जारी रहेगी। सीबीएसई ने कक्षा 12वीं का री–इवैल्यूएशन पोर्टल आज सुबह एक्टिव किया है, जहां छात्र अपने अंकों के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर रहे हैं। भारी संख्या में छात्रों के पोर्टल पर आने के कारण ट्रैफिक लगातार बढ़ा हुआ है।

सीजेआई सूर्यकांत ने दिलाई शपथ, पहली बार न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर हुई 37

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने उच्चतम न्यायालय के पांच नए न्यायाधीशों को मंगलवार को पद की शपथ दिलाई और इसके साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हो गई जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। प्रधान न्यायाधीश ने वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना, न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति अरुण पल्ली को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह उच्चतम न्यायालय परिसर में आयोजित किया गया। शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या अब 37 हो गई है जो बढ़ाई गई स्वीकृत संख्या 38 से एक कम है। केंद्र ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नागू, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सचदेवा, जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पल्ली तथा वरिष्ठ अधिवक्ता मोहना को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त किए जाने को सोमवार को मंजूरी दी थी। सरकार ने पिछले महीने एक कानून में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी किया था जिसके तहत भारत के प्रधान न्यायाधीश सहित उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई।

एक झटके में पलटी खुशियां, अलकनंदा में गिरी टूरिस्ट से भरी टैक्सी, 2 की मौत और कई लापता

नयी टिहरी,एजेंसी। उत्तराखंड में टिहरी जिले के देवप्रयाग में एक टैक्सी के अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे अलकनंदा नदी में गिर जाने से उसमें सवार दो व्यक्तियों की मौत हो गयी तथा कुछ अन्य लापता हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैनिक होटल के समीप हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे बाहर निकालकर पौड़धी जिले के श्रीनगर अस्पताल भेजा गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। हालांकि, नदी के तेज बहाव और दुर्गम भूभाग के कारण बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि वाहन में चालक सहित आठ व्यक्ति सवार थे और सभी राजस्थान के निवासी हैं। वाहन हरिद्वार की ओर जा रहा था। बचाव दलों को दो शव बरामद हुए हैं जिन्हें नौका के जरिए बाहर लाया जा रहा है। एक अन्य व्यक्ति घायलवस्था में मिला है जिसे अस्पताल भेजा गया है। अन्य संभावित लापता व्यक्तियों की तलाश हेतु एसडीआरएफ और पुलिस द्वारा नदी तट एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घटना से संबंधित अन्य तथ्यों एवं वाहन में सवार व्यक्तियों की संख्या और उनकी पहचान के संबंध में जानकारी की पुष्टि के प्रयास किए जा रहे हैं।

जीएमसीएच के जूनियर डश्क्टर ने की आत्महत्या, पुलिस जांच शुरू

चंडीगढ़,एजेंसी। चंडीगढ़ के सेक्टर–32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) में मंगलवार को एक जूनियर डॉक्टर ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। इस दुखद घटना के बाद पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 24 वर्षीय डॉ. योगेश के रूप में हुई है।

शुभेंदु सरकार के खिलाफ ममता का धरना: बोलीं-

भाजपा ने 177 सीटों पर की धांधली

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 15 साल के बाद सत्ता से बेदखल हुई है। 15 साल बाद तृणमूल को उखाड़ फेंकने वाली भाजपा आत्मविश्वास से लबरेज है। तृणमूल कांग्रेस इस करारी हार के बाद चुनाव में धांधली के आरोप लगा रही है। दोनों दलों के आक्रामक तेवरों के बीच आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विरोध–प्रदर्शन का एलान किया। टीएमसी की तरफ से हुए इस हल्लाबोल के बीच भाजपा ने सोनारपुर में हुई मारपीट और हिंसा के मामले में तृणमूल को घेरा है। भाजपा नेता समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि उनके दल पर तृणमूल के ऐसे राजनीतिक हथकंडों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

कोलकाता में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने कहा कि आने वाले दिनों में और बड़े विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कोलकाता पुलिस आयुक्त और पुलिस अधिकारियों से कहा कि उनका वेतन जनता के टैक्स के पैसे से दिया जाता है और उन्हें संविधान तथा कानून के मुताबिक अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी शांतिनिकेतन से पैसा लाकर पुलिस का वेतन नहीं देते हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को याद दिलाया कि समय हमेशा बदलता रहता है, इसलिए सभी को अपनी ड्यूटी निष्पक्ष तरीके से करनी चाहिए। टीएमसी नेता के इस बयान के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में सियासी बयानबाजी और तेज हो गई है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि 29 मई को ही प्रशासन को 2 जून के धरना प्रदर्शन की जानकारी दे दी गई थी, लेकिन कोलकाता पुलिस ने आखिरी समय तक कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि देर रात अनुमति मिलने के कारण प्रदर्शन स्थल पर साउंड सिस्टम और स्पीकर नहीं लगाए जा सके। टीएमसी ने इसे प्रशासन की जानबूझकर की गई देरी बताया है। कल्याण बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ लगातार हिंसा और कार्रवाई की जा रही है। पार्टी की ओर से कहा गया कि अब तक 25 से 30 कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है, जबकि 5,000 से 8,000 समर्थकों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। टीएमसी का दावा है कि करीब 3,000 घरों को भी तोड़ दिया गया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जहां भी पार्टी के कार्यक्रम होने वाले होते हैं, वहां पहले से पुलिस तैनात कर दी जाती है ताकि लोग कार्यक्रम में शामिल न हो सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस लोगों के घरों के बाहर खड़ी रहती है और अगर महिलाएं या परिवार के सदस्य बाहर निकलते हैं तो उन्हें हिरासत में लिया जाता है या गिरफ्तार कर लिया जाता है।

इससे पहले टीएमसी नेताओं ने पार्टी के नेताओं पर हुए हमलों के विरोध में प्रदर्शन किया।

पूरी पीढ़ी से विश्वासघात कर रही है मोदी सरकार: शशि थरूर

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 2 जून को राष्ट्रीय परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने NEET-UG परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक विवाद पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बार–बार हो रही असफलताओं को पूरी पीढ़ी के साथ विश्वासघात बताया। एएनआई को संबोधित करते हुए थारूर ने कहा कि यदि आप ऐसी प्रक्रिया चलाते हैं जहां परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, जहां आप ऐसी स्थिति में हैं जहां दुर्भाग्य से, जिन लोगों ने तैयारी में इतना प्रयास किया है, उन्हें अचानक पता चलता है कि लीक

हो गए हैं, भ्रष्टाचार है, बेईमानी है, और पूरी प्रक्रिया दूषित हो गई है, तो कभी–कभी परीक्षाएं रद्द कर दी जाती हैं, और उन्हें फिर से शुरू करना पड़ता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में भारतीय परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि दुनिया भर में कई प्रतियोगी परीक्षाएं निष्पक्ष तरीके से आयोजित की जाती हैं, चाहे वह SAT हो, कैम्ब्रिज परीक्षा हो, ISC हो या कोई और। ऐसा क्यों है कि केवल हमारी सरकार द्वारा संचालित परीक्षाएं ही लगातार गड़बड़ी का शिकार हो रही हैं? सरकार ऐसी स्थिति में क्यों है कि वह राष्ट्रीय परीक्षा जैसी सरल प्रक्रिया की निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा की गारंटी नहीं दे पा रही है? बार–बार होने वाले संकटों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए थरूर ने कहा कि यह सचमुच सरकार की खामी है और सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और समस्या को सुलझाने के लिए कदम उठाने चाहिए। अन्यथा, यह पूरी पीढ़ी के साथ विश्वासघात होगा। हम केवल सरकार को ही दोषी ठहरा सकते हैं।

बंगाल में महाराष्ट्र जैसा खेला?

● 50 विधायक हमारे साथ, हम असली तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता,एजेंसी। बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। दो विधायकों को निष्कासन के अब ऐसे दावे किए जा रहे है कि तृणमूल कांग्रेस के अंदर फूट पड़ सकती है। पार्टी से निकाले गए नेता रिजु दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि ये विधायक पार्टी पर अपना दावा ठोक सकते हैं। मीडिया से बात करते हुए रिजु दत्ता ने दावा किया कि टीएमसी के दो विधायकों ऋतुब्रत बंदोपाध्याय और संदीपान साहा ने स्पीकर को एक चिट्ठी लिखकर दावा किया कि उनके दस्तखत नकली थे। जिसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने इन दोनों विधायकों को पार्टी से निकाल दिया। चूंकि मैंने भी कई वर्षों तक तृणमूल कांग्रेस में काम किया है, इसलिए मुझे इस बारे में खबर मिली और कुणाल घोष ने भी प्रेस में बताया कि ऋतब्रत बंदोपाध्याय की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस के लगभग 50 विधायक एक होटल में मिले थे। दत्ता ने आगे बताया, उन्होंने (विधायकों) फोन पर भी बात की और शाम को एमएलए हॉस्टल में कई विधायकों के साथ एक मीटिंग भी की। आज शायद दोपहर 1.00 या 2.00 बजे के आसपास, वे सब एक साथ मिलकर विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुख्य मुद्दे उठाएंगे। पहला, हमारे पास दो–तिहाई बहुमत है। लगभग 50 विधायक हमारे साथ हैं। हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, चूंकि हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं।

भारत सरकार ने अधिसूचित किए नए आप्रवास और विदेशी नियम:

प्रक्रियाओं में हुए बड़े बदलाव, डिजिटल ट्रैकिंग होगी सख्त

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आप्रवास और विदेशियों के नियमों में संशोधनों का नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत यह अनिवार्य किया गया है कि भारत में 180 दिनों तक के वीजा पर आने वाले विदेशियों को, अगर वे देश में अपना प्रवास बढ़ाना चाहते हैं, तो अपने वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले ही अपना पंजीकरण करवाना होगा। 1 जून की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित ये संशोधन नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। आप्रवास और विदेशियों विषयक नियम–2026 के तहत विदेशियों के पंजीकरण की प्रक्रिया, भारतीय माता–पिता वाले बच्चों से जुड़े प्रावधानों, आपातकालीन पंजीकरण मामलों और अपील तंत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस संशोधन के अनुसार, भारत में आगमन के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी पंजीकरण कराया जा सकता है। पहले, 180 दिन की अवधि समाप्त होने के 14 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य था। हालांकि, इस अवधि के बाद पंजीकरण सिर्फ आपातकालीन परिस्थितियों में ही स्वीकार्य होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि निर्धारित अवधि के बाद विलंबित पंजीकरण की

अनुमति सिर्फ असाधारण परिस्थितियों में ही दी जाएगी। इसमें यह शर्त जोड़ी गई है कि ऐसा पंजीकरण केवल आपातकालीन परिस्थितियों में ही प्रदान किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने उन बच्चों के संबंध में छूट भी शुरू की है, जो भारतीय और विदेशी, दोनों तरह की नागरिकता का दावा कर सकते हैं। संशोधित नियमों के तहत, पंजीकरण की आवश्यकता उन मामलों में लागू नहीं होगी, जहां माता–पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक हो और नागरिकता अधिनियम–1955 की धारा 3 के तहत बच्चे की भारतीय नागरिकता को बनाए रखना चाहता हो। अधिसूचना में आगे यह भी प्रावधान है कि अगर बच्चा भारत में रहते हुए बाद के किसी चरण में किसी विदेशी देश की नागरिकता प्राप्त कर लेता है, तो माता–पिता में से कोई एक, बच्चे की ओर से विदेशी देश की नागरिकता प्राप्त करने के 30 दिनों के भीतर पंजीकरण अधिकारी को इस स्थिति की सूचना देगा। एक अन्य संशोधन में सरकार ने नियम 18 के तहत रिपोर्टिंग की समय–सीमा से संबंधित एक प्रावधान को ठीक किया है। इसमें लेकिन 24 घंटे से अधिक वाक्यांश को बदलकर लेकिन चौबीस घंटे से अधिक नहीं कर दिया गया है।

स्वर्णकार समाज के हित की जो बात करेगा उसे ही मिलेगा समर्थन : कुलदीप सोनी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सराफा मंडल के विस्तार और मजबूती को लेकर सराफा कारोबारियों की बैठक में सोमवार को अहम निर्णय लिया गया। सराफा मंडल के संस्थापक कुलदीप सोनी ने कहा कि हमारा समाज बंटेगा नहीं, जो भी राजनीतिक दल हमारे

हितों की बात करेगा, संगठन उसी का साथ देगा।

नेताओं ने राजनीतिक दलों पर व्यापारियों की उपेक्षा का आरोप लगाया। जिला अध्यक्ष अनूप वर्मा ने कहा कि व्यापारी समाज अब राजनीतिक भागीदारी के लिए पूरी तरह तैयार है। पंकज सोनी ने कहा कि राजनीतिक दलों ने सिर्फ स्वर्णकारों के वोट का इस्तेमाल किया है और समस्याओं की अनदेखी की।

रवि वर्मा ने कहा कि सर्राफा व्यवसाय में 23 फीसदी सोनार समाज के साथ 77 फीसदी अन्य कारोबारियों का भी सहयोग है, जिनका पूरा ध्यान रखा जाएगा। विशाल वर्मा ने कहा कि समाज अब जागरूक और एकजुट हो चुका है। बैठक में अशोक कुमार, गनेशी वर्मा, हरीश वर्मा, अनिल वर्मा, राम मोहन शर्मा, सुधीर वर्मा और शिवम सोनी सहित कई पदाधिकारी व व्यापारी मौजूद रहे।

रेलवे कॉलोनी में खुला सिलाई – द टेलरिंग सेंटर, महिलाओं को मिलेगा स्वरोजगार

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण समिति (प्रयागराज मंडल) की ओर से रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। सोमवार को नवाब यूसुफ रोड स्थित खरबंदा मार्केट के सामने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र 'सिलाई – द टेलरिंग सेंटर' का उद्घाटन हुआ। केंद्र का शुभारंभ उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा हिमा चौहान सिंह ने किया। यहां बताया गया कि यह केंद्र महिलाओं और युवाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा, बल्कि उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास भी जगाएगा। कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले योग्य अभ्यर्थियों को इसी केंद्र में रोजगार के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे अपनी आजीविका को सुदृढ़ कर सकेंगी। समारोह में प्रयागराज मंडल की अध्यक्षा वंदना अग्रवाल, प्रज्ञा दीपक कुमार, गुलशन वारिस, वंदना सिंह , निहारिका सिंह, प्रवीणा सिंह, प्रिया तिवारी, पूर्वी कन्नौजिया और महनिशा आदि मौजूद रहीं।

अवि ने इलाहाबाद पब्लिक स्कूल क्लब को जिताया मैच

प्रयागराज। झूंसी के चक हरिहरगंज मैदान पर सोमवार को इलाहाबाद पब्लिक स्कूल क्लब ने कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब को पांच विकेट से हराकर केएस स्पोर्ट्स अंडर–16 कलर ड्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक हासिल किए। कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब ने 22.1 ओवर में 130 रन (पार्थ वर्धन सहायक 72, आयुष रावत 22, उज्जवल मिश्रा 4/19, आयुष 2/43 विकेट) बनाए। जवाब में इलाहाबाद पब्लिक स्कूल क्लब ने 19.1 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य (अवि कुमार 55 नाबाद, अर्पित राय 38, आयुष रावत 2/26, आर्यन मिश्रा, पार्थ वर्धन सहायक, आयुष रावत एक–एक विकेट) प्राप्त कर लिया। अवि कुमार मैन ऑफ द मैच बने।

फर्जी शिकायत पर पत्नी का मोबाइल नंबर बंद कराने पर कोर्ट नाराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े मामले में लखनऊ साइबर सेल की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। पति को यह बताने का निर्देश दिया है कि उसके खिलाफ हर्जाना क्यों न लगाया जाए। कोर्ट ने पाया कि पति की ओर से महिला के मोबाइल नंबर के खिलाफ कथित रूप से फर्जी शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर साइबर सेल ने नंबर को ब्लॉक कर दिया। नंबर इतने समय तक बंद रहा कि दूरसंचार कंपनी ने उसे किसी अन्य ग्राहक को आवंटित कर दिया। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने साइबर सेल के प्रभारी अधिकारी के हलफनामे को अत्यंत गैर जिम्मेदाराना बताया। कोर्ट ने माना कि साइबर शिकायतों के निस्तारण के लिए जारी निर्देशों का इस प्रकार दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। श्रद्धा पाठक की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने साइबर सेल को संबंधित दूरसंचार कंपनी से समन्वय कर महिला का मोबाइल नंबर बहाल कराने के निर्देश दिए। साथ ही पति को जवाबी हलफनामा दाखिल कर यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि कथित निराधार शिकायत के लिए उसके खिलाफ हर्जाना क्यों न लगाया जाए।

सड़क का कार्य अधूरा, आवागमन में परेशानी

प्रयागराज। नगर के वार्ड तीन गारोपुर के सोनकर बस्ती में नाली का कवर्ड टूटा होने से आए दिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। दरअसल, नाली के ऊपर रखा लोहे का कवर्ड क्षतिग्रस्त हो चुका है। बीते छह माह पहले डूडा की ओर से कुछ सड़कों का कार्य आरम्भ कराया गया था लेकिन अभी तक नाली का कार्य पूरा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए पुरानी इंटरलॉकिंग को उखाड़ दिया गया है।

आरआरबी पैरामेडिकल भर्ती दस्तावेज सत्यापन के लिए शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों की सूची जारी

प्रयागराज। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) प्रयागराज ने पैरामेडिकल पदों पर भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल जांच के लिए चुने गए अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। नर्सिंग अधीक्षक पद के लिए 13, हेल्थ एंड मलेरिया इंस्पेक्टर के लिए 10 और लैब असिस्टेंट ग्रेड–2 के लिए एक अभ्यर्थी को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इन अभ्यर्थियों की सीबीटी परीक्षा इसी साल 11 से 13 मार्च के बीच आयोजित की गई थी। आरआरबी की ओर से कहा गया है कि चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की तारीख, समय और केंद्र की जानकारी उनके ई–कॉल लेटर, ईमेल और एसएमएस के जरिये दी जाएगी। सत्यापन के अगले दिन रेलवे अस्पताल में मेडिकल जांच होगी, जिसमें तीन से चार दिन का समय लग सकता है। मेडिकल जांच के लिए 24 रुपये शुल्क है। हालांकि, सीटी स्कैन या अल्ट्रासाउंड जैसी विशेष जांचों के लिए अलग से भुगतान करना होगा।

एलआईसी कर्मियों को हाईकोर्ट से बड़ा झटका, करनी पड़ेगी जनगणना ड्यूटी, अदालत ने खारिज की याचिका

प्रयागराज। एलआईसी कर्मियों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। एलआईसी कर्मियों को जनगणना ड्यूटी करनी पड़ेगी। एलआईसी कर्मचारियों को जनगणना ड्यूटी सौंपने का निर्देश उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एलआईसी कर्मचारियों को जनगणना ड्यूटी सौंपने के निर्देशों को सही ठहराया है। अदालत ने इस संबंध में दायर एक याचिका को खारिज कर दिया। कानपुर मुख्यालय वाले नॉर्थ सेंट्रल जोन इंश्योरेंस इम्प्लॉइज संगठन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर एलआईसी कर्मचारियों की जनगणना ड्यूटी का विरोध किया था।

संगठन का कहना था कि जनगणना अधिनियम में केवल स्थानीय निकायों के कर्मचारियों को ही इस कार्य में लगाया जा सकता है इसलिए एलआईसी कर्मचारियों की नियुक्ति नियमों के खिलाफ है।

एलआईसी एक वाणिज्यिक प्रतिष्ठान है इसलिए उसके कर्मचारियों की नियुक्ति पूरी तरह कानूनी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की पीठ ने कर्मचारियों के तर्क को अस्वीकार कर दिया और कहा कि कानून अधिकृत अधिकारियों को ऐसे कर्मचारियों की सेवाएं लेने का अधिकार देता है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि संबंधित प्राधिकरण ने कोई त्रुटि या अवैधता नहीं की है। प्राधिकरण ने अपनी प्रत्यायोजित शक्ति का प्रयोग किया है। एलआईसी कर्मचारियों को जनगणना संचालन के लिए प्रगणक और पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करने का निर्देश दिया गया था।

अदालत ने यह भी कहा कि याचिका में केवल एक अस्पष्ट प्रार्थना थी। इसमें जनगणना

कार्य के लिए एलआईसी कर्मचारियों को लगाने के फैसले को रद्द करने की मांग की गई थी। किसी विशेष आदेश को विशिष्ट चुनौती नहीं दी गई थी।

याचिकाकर्ता का तर्क

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 4–ए के तहत केवल स्थानीय प्राधिकरणों के कर्मचारियों को ही बुलाया जा सकता है। ये कर्मचारी प्रगणक या पर्यवेक्षक के रूप में जनगणना ड्यूटी कर सकते हैं।

वकील ने आगे कहा कि एलआईसी के कर्मचारी स्थानीय प्राधिकरण की परिभाषा में नहीं आते हैं। सामान्य खंड अधिनियम, 1897 की धारा 3(31) में यह परिभाषा दी गई है। इसलिए, उन्हें जनगणना ड्यूटी सौंपना कानून की नजर में पूरी तरह से अस्थिर है।

केंद्र सरकार का प्रतिवाद

दूसरी ओर, केंद्र सरकार के वकील ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 4–ए को अकेले नहीं पढ़ा जा सकता है। इसे अधिनियम की धारा 6(1)(ई) और 7(सी) के साथ मिलकर समझा जाना चाहिए।

ये धाराएं कारखानों, फर्मों और प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों को जनगणना कार्य में लगाने का विशेष रूप से प्रावधान करती हैं। वकील ने जोर देकर कहा कि एलआईसी एक श्वाणिज्यिक प्रतिष्ठानश के दायरे में आता है। इसलिए, जनगणना संचालन के लिए इसके कर्मचारियों को लगाना अधिनियम, 1948 के दायरे में है।

न्यायालय का निर्णय

केंद्र सरकार के वकील ने यह भी कहा कि जनगणना नियम, 1990 का नियम 3 अधिकारियों की श्रेणियों को निर्धारित करता है। इन अधिकारियों को जनगणना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। उनके अनुसार, यह नियम सक्षम प्राधिकरण को उपयुक्त व्यक्तियों को प्रगणक के रूप में नियुक्त करने का व्यापक विवेक देता है।

29 मई को अपने निर्णय में अदालत ने कहा कि कानूनी प्रस्ताव की पृष्ठभूमि में, अधिकृत प्राधिकरण या क्षेत्रीय अधिकारी सक्षम है। वह एलआईसी के साथ कार्यरत व्यक्तियों को प्रगणक या पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करने का आदेश जारी कर सकता है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि जनगणना कार्य के लिए नियुक्त कर्मचारी ड्यूटी के दौरान लोक सेवक माने जाएंगे। यदि कोई कर्मचारी आदेश की अवहेलना करता है या कार्य में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ जनगणना अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की 4 फरवरी 2026 की अधिसूचना का भी उल्लेख किया, जिसके तहत जनगणना–2027 का पहला चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक चल रहा है। इस चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना का कार्य कराया जा रहा है।

वाराणसी का 28 तो गोरखपुर का 12 रुपये बढ़ जाएगा किराया

प्रयागराज। प्रयागराज से पूर्वांचल की ओर सफर करने वाले रोडवेज यात्रियों की जेब पर तीन जून से अतिरिक्त बोझ पड़ने जा रहा है। गंगा नदी पर बने शास्त्री पुल पर मरम्मत कार्य शुरू होने के कारण यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। पूर्वांचल की ओर जाने वाली रोडवेज की सभी बसें अब शास्त्री पुल के बजाय फाफामऊ पुल होकर जाएंगी।

रूट में हुए बदलाव के कारण बसों को लंबा चक्कर काटना पड़ेगा। इससे गंतव्य की दूरी बढ़ जाएगी। इस कारण परिवहन निगम ने बढ़े हुए किलोमीटर के आधार पर किराये में भी बढ़ोतरी कर दी है। वाराणसी जाने वाली साधारण श्रेणी की बस का किराया 28 रुपये तो गोरखपुर जाने वाली बस का किराया 12 रुपये बढ़ेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जब तक पुल की मरम्मत नहीं हो जाती, व्यवस्था इसी तरह लागू रहेगी। तीन जून से गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया जाने वाली बसों का किराया बढ़ जाएगा।

बदले रूट से दूरी और किराये पर सीधा असर

वाराणसी रूट– प्रयागराज से वाराणसी की दूरी 126 से बढ़कर 144 किलोमीटर हो गई है। यहां का किराया 197 से बढ़ाकर 225 रुपये कर दिया गया है।

सहसों रूटरू सबसे ज्यादा बदलाव सहसों के सफर में दिखेगा। पहले की 18 किलोमीटर की दूरी अब नए रूट से 27 किलोमीटर हो गई है, जिससे किराया 26 रुपये से बढ़कर 38 रुपये हो गया है।

गोरखपुर रूट– गोरखपुर की दूरी पहले 294 किलोमीटर थी। अब 303 किलोमीटर हो गई है। यात्रियों को 428 के बजाय 440 रुपये चुकाने होंगे।

हंडिया और गोपीगंज– हंडिया का किराया 51 से बढ़ाकर 82 रुपये, गोपीगंज का किराया 84 से बढ़ाकर 117 रुपये कर दिया गया है।

जौनपुर और आजमगढ़– जौनपुर के लिए यात्रियों को अब 164 की जगह 175 रुपये देने होंगे। आजमगढ़ का किराया 260 से बढ़ाकर 272 रुपये कर दिया गया है।

बादशाहपुर और मछलीशहर– बादशाहपुर का किराया 65 से बढ़ाकर 80 रुपये और मछलीशहर का किराया 117 की जगह 131 रुपये तय किया गया है।

12 पदकों के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस अव्वल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में सोमवार से दो दिवसीय 29वीं उत्तर प्रदेश राज्य सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप (बी) की शुरुआत हुई। पहले दिन यूपी पुलिस के एथलीटों ने तीन स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक हासिल किया। प्रयागराज के एथलीटों ने तीन स्वर्ण और दो रजत पदक प्राप्त किया। सहारनपुर के एथलीटों ने दो स्वर्ण और दो रजत पदक पर कब्जा जमाया। पुरुष वर्ग के हाफ मैराथन रेस वॉक में सहारनपुर के फरमान अली ने पहला, मुजफ्फरनगर के गौरव कुमार ने दूसरा और बलिया के सचिन शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया। ट्रिपल जंप में प्रयागराज के प्रदीप कुमार को पहला, यूपी पुलिस के हिमांशु यादव को दूसरा, गाजियाबाद के मनीष तीसरा स्थान मिला।

पोल वॉल्ट में प्रयागराज के अवनीश कुमार ने पहला, प्रतापगढ़ के अनिकेत पटेल ने दूसरा, यूपी पुलिस के करण सरोज ने तीसरा स्थान हासिल किया। शॉट पुट में यूपी पुलिस के आकाश ग्रेहवाल को पहला, यूपी पुलिस के अभिषेक सिंह को दूसरा, यूपी पुलिस के शिवम चौधरी ने तीसरा स्थान मिला। डिस्कस थ्रो में प्रयागराज के धर्मराज यादव ने पहला, अलीगढ़ के दिग्विजय सिंह चौधरी ने दूसरा, अमरोहा के पुलकित चौधरी ने तीसरा स्थान हासिल किया। 800 मीटर दौड़ सीतापुर के अमन कुमार ने पहला, सीतापुर के सत्यम चौहान ने दूसरा, आगरा के शिव तोमर ने तीसरा स्थान हासिल किया। 100 मीटर दौड़ में गोरखपुर के निर्भय नाथ तिवारी अव्वल रहे। बागपत के आदित्य तोमर को दूसरा, लखनऊ के मेधंजय सक्सेना को तीसरा स्थान मिला। 400 मीटर दौड़ में मुजफ्फरनगर के हिमांशु पहले, रामपुर रितिक चौधरी ने दूसरे और यूपी पुलिस के पंकज ने तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, 400 मीटर बाधा दौड़ में रायबरेली के सूरज कुमार ने पहला, मेरठ के नजीम ने दूसरा और अयोध्या के दिवाकर यादव ने तीसरा स्थान हासिल किया। महिला वर्ग के हाफ मैराथन रेस वॉक में यूपी पुलिस की रेशमा पटेल को पहला स्थान मिला। सहारनपुर की तापसी ने दूसरा, संत कबीर नगर की रूपाली ने तीसरा स्थान हासिल किया। 100 मीटर बाधा दौड़ में वाराणसी की कृति यादव ने पहला, गौतमबुद्ध नगर की चंचल ने दूसरा, अलीगढ़ की अंजलि यादव ने तीसरा स्थान हासिल किया। 100 मीटर दौड़ में यूपी पुलिस की प्रियंका सिकरवार ने पहला, इटावा की गुरप्रीत कौर ने दूसरा, बुलंदशहर की अर्पण राजौरा ने तीसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में सहारनपुर की काजल पहले, सहारनपुर की प्राची ने दूसरे, यूपी पुलिस की कुमारी योगेश ने तीसरे स्थान पर रहीं। डिस्कस थ्रो में उन्नाव की नीतिका वर्मा ने पहला, प्रयागराज की सुहानी सिंह ने दूसरा, यूपी पुलिस की आशिका यादव ने तीसरा स्थान हासिल किया। ट्रिपल जंप में आगरा की आकांक्षा ने पहला, 400 मीटर बाधा दौड़ में लखनऊ की गुड़िया ने पहला, बरेली की अंजलि सिंह ने दूसरा, मेरठ की दीपा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में लखनऊ की प्रतीक्षा यादव ने पहला, बरेली की विनीता गुर्जर ने दूसरा और यूपी पुलिस की शिवानी हुडा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वाराणसी की कृति यादव ने पहला, गौतमबुद्ध नगर की चंचल ने दूसरा, अलीगढ़ की अंजलि यादव ने तीसरा स्थान हासिल किया। पोल वॉल्ट में रायबरेली की अर्चना सिंह ने पहला, यूपी पुलिस की किमी माही पटेल ने दूसरा, ऊंची कूद में मेरठ की ख्याति माथुर ने पहला, मेरठ की रीत राठौड़ ने दूसरा, मेरठ की मानसी ने तीसरा स्थान हासिल किया। शॉट पुट में जौनपुर की अंतिमा मिश्रा ने पहला, प्रयागराज की भावना उपाध्याय ने दूसरा, मथुरा की माधुरी कुमारी ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के 60 जिलों के 459 एथलीटों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार ने किया गया। उनके साथ उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नीरज कुमार भी उपस्थित रहे। एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 से 28 जून तक भुवनेश्वर में होगी।

बढ़ती महंगाई के कारण नाश्ता हुआ 25 प्रतिशत तक महंगा

प्रयागराज। खाद्य पदार्थों व सिलिंडर की कीमत में वृद्धि के कारण खाद्य सामग्री के दामों में बीते दो माह में 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। बीते दो माह में हुई वृद्धि का असर अब आम आदमी के जेब पर दिखाई पड़ने लगा है। सात रुपये का बिकने वाला समोसा दस रुपये का हो गया, तो वहीं जलेबी व पकौड़ी के दामों में भी 25 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। रेस्टोरेंट संचालकों ने फास्ट फूड के

दामों में भी इजाफा कर दिया है। होटल व मिठाई की दुकान संचालित करने वाले दुकानदारों का कहना है कि खाद्य तेल से लेकर मैदा, आटा और चीनी के दाम में दो महीने में बीस से पच्चीस प्रतिशत बढ़े हैं। दो महीने पहले पंद्रह लीटर रिफाइंड में लगभग 300 रुपये की तेजी आई है। यही स्थिति सरसों की तेल में भी है। चीनी चार सौ रुपये क्विंटल बढ़ा है, मैदा और सूजी के दाम सौ रुपये क्विंटल बढ़ गए हैं। सबसे अधिक कॉमर्शियल सिलिंडर के दामों के वृद्धि हुई है। छिवकी स्टेशन के पास होटल संचालित करने वाले दुकानदारों ने बताया कि भोजन की थाली जो 120 रुपये की थी उसे 150 रुपये कर दिया गया है। वहीं 150 रुपये की स्पेशल थाली की कीमत 200 रुपये हो गई है।

पूर्व विधायक संतोष पांडे के नेतृत्व में सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ उप जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा

सुल्तानपुर। जनपद के लम्भुआ क्षेत्र में समाजवादी पार्टी द्वारा कमरतोड़ महंगाई बेरोजगारी, डीजल पेट्रोल, रसोई गैस ,और बिजली के दामों में भारी पैमाने पर मूल्य वृद्धि तथा डीजल पेट्रोल गैस की भारी कीमत, अघोषित बिजली कटौती,यह सरकार किसानों को खाद बीज डीजल तक उपलब्ध करा पा रही है। नीट परीक्षा पेपर लीक, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कानून व्यवस्था तथा भाजपा सरकार के जन विरोधी नीतियों के खिलाफ जिला उप अधिकारी कार्यालय पर पूर्व विधायक लम्भुआ संतोष पांडे की अगुवाई में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष रघुवीर यादव के साथ बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन देकर जन समस्याओं का निराकरण की मांग की, पूर्व विधायक संतोष पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है ।डीजल पेट्रोल रसोई गैस बिजली के दामों में बेतहाषा वृद्धि उत्तर प्रदेश की जनता पर महंगाई का बोझ लाद दिया गया है। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है यह सरकार किसानों को खाद बीज और डीजल तक उपलब्ध नहीं कर पा रही है हमारी मांग है कि डीजल पेट्रोल रसोई गैस की मूल्य वृद्धि वापस ली जाएं और इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ,धान के डालने का समय हो गया है। विधानसभा अध्यक्ष सतपाल यादव ने सभी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

अधिवक्ताओं को राहत, नए चौंबर के मासिक किराये और सिक्योरिटी राशि में कटौती

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के प्रयास से नए चौंबर के आवंटन में अधिवक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। अध्यक्ष राकेश पांडे, महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में चौंबर अलॉटमेंट कमेटी की बैठक में मासिक किराये और सुरक्षा राशि को घटाने का निर्णय लिया गया है। नामित वरिष्ठ अधिवक्ता के लिए सुरक्षा राशि 2.50 लाख से घटाकर 1.25 लाख रुपये और गैर नामित वरिष्ठ अधिवक्ता के लिए सुरक्षा राशि एक लाख से घटाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। एसोसिएशन की नई सूची के अनुसार गैर नामित वरिष्ठ अधिवक्ता, नामित वरिष्ठ अधिवक्ता श्रेणियों के तहत आने वाले मुख्य किरायेदारों और सह–किरायेदारों के किराये में सीधी कटौती की गई है। नामित श्रेणी में जो किराया पूर्व में 5,000 रुपये निर्धारित था, उसे घटाकर 1,500 रुपये कर दिया गया है।

इसी प्रकार गैर नामित वरिष्ठ अधिवक्ता श्रेणी के तहत आने वाले मुख्य और सह–किरायेदारों के लिए भी किराया 2,500 रुपये से कम करके 1,500 रुपये कर दिया गया है। परामर्श सीट का किराया 500 रुपये पर यथावत रखा गया है। किराये के साथ–साथ सुरक्षा राशि में भी कटौती की गई है। नामित श्रेणी के मुख्य और सह–किरायेदारों के लिए सिक्योरिटी राशि को 2.50 लाख रुपये से घटाकर आधा यानी 1.25 लाख रुपये कर दिया गया है। गैर नामित श्रेणी के मुख्य किरायेदारों के लिए सिक्योरिटी राशि एक लाख रुपये से घटकर 75 हजार रुपये और सह–किरायेदारों के लिए 50 हजार से घटकर 30 हजार रुपये कर दी गई है। परामर्श सीट के लिए सुरक्षा राशि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। यह 10 हजार रुपये की पूर्व निर्धारित राशि पर ही बनी रहेगी। संयुक्त सचिव (प्रेस) रामेश्वर दत्त पांडे ने बताया कि अधिवक्ताओं की वित्तीय स्थिति और उनकी कार्यक्षमता को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार द्विवेदी सहित अन्य रहे। नवनिर्मित चौंबरों के आवंटन के लिए जारी शुल्क के विरोध में महानिबंधक मंजीत सिंह श्योरण को ज्ञापन सौंपा गया। कहा गया कि जारी दरें अभी युवा व सामान्य अधिवक्ताओं की आर्थिक क्षमता के अनुरूप नहीं है। मासिक किराया निशुल्क किया जाए। अधिवक्ता मनीष द्विवेदी ने कहा कि जब तक आवंटन उचित दरों पर नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

नगर आयुक्त ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

प्रयागराज। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित सम्भव जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा ने आम नागरिकों तथा जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। प्राप्त शिकायतों में अतिक्रमण, नामांतरण, जन्म प्रमाण पत्र संशोधन, नाला–नाली मरम्मत, सड़क एवं गली मरम्मत, सीवर तथा पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। नगर आयुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति, नालों एवं नालियों की सफाई तथा जाम नालियों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न वार्डों के माननीय पार्षदों ने भी अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं को नगर आयुक्त के समक्ष रखा। इसके उपरांत नगर आयुक्त ने जोनल कार्यालयों के पार्षदों के साथ बैठक कर शहर में चबूतरों, पेयजल व्यवस्था, शौचालय एवं यूरिनल, सार्वजनिक शेड तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के संबंध में सुझाव प्राप्त किए। बैठक में प्रयागराज के वीआईपी क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी) की व्यवस्था किए जाने का भी प्रस्ताव रखा गया। इसका उद्देश्य साफ–सफाई, मार्ग प्रकाश, मलबा हटाने तथा अतिक्रमण जैसी समस्याओं का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करना है।

सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के बस के चालक परिचालक को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज श्रीमान जोगेंद्र कुमार जी के कुशल निर्देशन व पुलिस उपायुक्त यातायात श्रीमान नीरज पाण्डेय जी के मार्गदर्शन में प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के चालक परिचालक के साथ यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निरीक्षक,अध्यापक पवन कुमार पाण्डेय विशिष्ट अतिथि चाइल्ड हेल्पलाइन नीतीश शुक्ला जी उपस्थिति हुए। कार्यक्रम में निरीक्षक पवन पाण्डेय जी द्वारा जीवन के मूल्यों व सड़क दुर्घटना में न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है उसका कारण है कि लोग नियमों को लेकर लापरवाही करते हैं। चालकों को बताया गया कि सीट बेल्ट वा घर से आने जाने के लिए दोपहिया वाहन चालक सही मानकों वाला हेलमेट पहनकर ही घर से निकलें। सड़क पर हमेशा दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए,सड़क किनारे लगे दिशासूचक बोर्ड व सड़क सुरक्षा नियमों की भलीभांति जानकारी होनी चाहिए। वाहन चलाते समय नशा न करें। लोग कान में इयरफोन लगाकर गाड़ी चलाते हैं जो बेहद खतरनाक है। राहवीर योजना के अंतर्गत दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाने पर 25000 रुपया प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/24 दिनांक : 29.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रेल, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	RGOMAINLED SIGNAL	मेन एलईडी सिग्नल (लाल, पीला एवं हरा)	7,793 नग	22.06.2026
2	60255020बी	फोर कॉलम हाईड्रोलिक प्रेस	1 नग	29.06.2026
3	60255010ए	[illegible] प्लांट फॉर सीटीआरबी	1 नग	30.06.2026
4	38262872	पीवीसी सिरीज-3 ना फॉर कॉन्सटेंट कॉन्टेक्ट पॉली यूरेथिन साइड बियरर पैड	80355 नग	01.07.2026
5	40263258	वाइंडिंग कवर	15385 कि.ग्रा.	15.07.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूर्ण विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1228/26 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या - 230-वि0/का0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/636 दिनांक: 01.06.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/का0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 : 230-का0वि0-कार्य ठेका-1027-2026

कार्य का विवरण : उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के 03 नंबर रेल क्रेनों की मरम्मत/रखरखाव के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (ए.एम.सी.) (दो वर्षों के लिए)।

अनुमानित लागत : रू0 60,56,732.08 | बिड सुरक्षा राशि : रू0. 1,21,100.00

कार्य अवधि : 24 महीना | बोली प्रणाली : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 23.06.2026, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 23.06.2026, 15:00 बजे

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1240/26(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं-3220262027 दिनांक : 01.06.2026

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई निविदा सूचना सं : 3220262027-92 | अनुमानित लागत (रू. में) : 2,41,82,713.11

कार्य का नाम : वरि. खण्ड.अभि./कार्य/राजापुर/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027

अमानत राशि (रू. में) : 4,83,700.00

निविदा बंद होने की तिथि : 22.06.2026 को 12:00 बजे

कार्य समापन की अवधि : 12 माह | कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य

ई निविदा सूचना सं : 3220262027-93 | अनुमानित लागत (रू. में) : 84,35,700.00

कार्य का नाम : वरि. खण्ड.अभि./कार्य/बागवानी/प्रयागराज, के अधिकार क्षेत्र में महाप्रबंधक ऑफिस कैम्पस, नर्सरी सूबेदारगंज आदि के बागवानी कार्यों के वार्षिक रखरखाव का निष्पादन। पी.ई. 30.06.2027

अमानत राशि (रू. में) : 1,68,700.00

निविदा बंद होने की तिथि : 22.06.2026 को 12:00 बजे

कार्य समापन की अवधि : 12 माह | कार्य की प्रकृति : कोई भी बागवानी कार्य

नोट : 1. पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1236/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

गंगानाथ झा परिसर के वरिष्ठ आचार्य बनमाली बिश्वाल जी का सौप्रस्थानिक कार्यक्रम

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के गंगा सभागार में व्याकरण विभाग के परिसरीय वरिष्ठ आचार्य बनमाली बिश्वाल जी का सौप्रस्थानिक कार्यक्रम मई माह के अन्तिम कार्यदिवस में आयोजित हुआ। प्रातरूकाल विश्वविद्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित अधिष्ठातृ परिषद् की बैठक में माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय द्वारा प्रो. बनमाली बिश्वाल के समर्पित कार्यकाल की सराहना की गई। माननीय कुलपति महोदय ने प्रो. बनमाली बिश्वाल को संस्कृत भाषा के उन्नयन हेतु सतत प्रयत्नशील रहते हुए योगदान देते रहने की कामना की। मान. कुलपति महोदय ने प्रो. बिश्वाल के स्वस्थ एवं आनन्दित जीवन की कामना भी की। बैठक में उपस्थित अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने प्रो. बनमाली बिश्वाल को उनके सफल, निर्विवाद एवं समर्पित कार्यकाल हेतु बधाई दी तथा भविष्य हेतु शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक (प्रभारी) प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने परिसर के निदेशक एवं अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी जी की ओर से माल्यार्पण कर उन्हें अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय हेतु उनके अविस्मरणीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें संस्कृत साहित्यजगत का प्रतिष्ठित आचार्य बताया। इसके पूर्व प्रो. बनमाली बिश्वाल महोदय के 38 वर्ष विस्तृत सुनहरे एवं गरिमामयी कार्यकाल का स्मरण करते हुए परिसर के वरिष्ठ आचार्य प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि" ने प्रो. बनमाली बिश्वाल की बौद्धिक एवं साहित्यक प्रतिभा की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने प्रो. बनमाली बिश्वाल महोदय को बहुमुखी प्रतिभा का धनी व्यक्तित्व बताते हुए उनकी बौद्धिक एवं साहित्यिक यात्रा का वर्णन किया। परिसर के व्याकरण विभाग के सहआचार्य डॉ. सुरेश पाण्डेय ने प्रो. बनमाली बिश्वाल के अद्भुत साहित्यिक क्षमता एवं विद्वता की प्रशंसा करते हुए जम्मू यात्रा के मध्य ट्रेन के सफर में स्थानीय समाचार पत्र के संस्कृत में अनुवाद करने का उद्धरण प्रस्तुत किया। सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त त्रिवेदी ने प्रो. बनमाली बिश्वाल के कार्यकाल को सभी के लिए प्रेरणा का अवसर बताया। उन्होंने प्रो. बनमाली बिश्वाल के अपने कार्य में सतत व्यस्त रहकर कार्य सम्पादन का अनुकरण करने हेतु सभी को प्रेरित किया। परिसर के उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रामरूप ने प्रो. बनमाली बिश्वाल के सरल स्वभाव का वर्णन करते हुए उन्हें "विद्या ददाति विनयं" को चरितार्थ करने वाला व्यक्तित्व बताया। परिसर में संगणक विशेषज्ञ श्री राजेशकान्त तिवारी ने प्रो. बनमाली बिश्वाल द्वारा छात्र हित एवं छात्र कल्याण की भावना का उल्लेख किया। उन्होंने प्रो. बनमाली बिश्वाल महोदय द्वारा कार्य के प्रति गम्भीरता एवं समर्पण की भावना को आत्मसात करने की आवश्यकता बताई। इसी क्रम में परिसर के अनुभाग अधिकारी श्री संजय कुमार मिश्र ने प्रो. बनमाली बिश्वाल को समस्त परिसरीय सदस्यों का प्रेरणास्रोत बताया एवं प्रो. बिश्वाल की सरलता, विद्वता एवं समर्पण को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर परिसर के छात्र–छात्राओं ने प्रो. बनमाली बिश्वाल महोदय के समक्ष अपनी भावनाओं को व्यक्त कर उनके व्यक्तित्व को नमन किया। सौप्रस्थानिक कार्यक्रम का संचालन सहायकाचार्य डॉ. राजकुमार मिश्र ने करते हुए प्रो. बनमाली बिश्वाल महोदय को विषम परिस्थितियों में भी शिक्षण एवं कार्यनिष्पादन करने वाले विशिष्ट व्यक्तित्व का स्वामी बताया। इस अवसर पर प्रो. बनमाली बिश्वाल ने अपनी लम्बी सेवा अवधि को एक साधना बताते हुए अपने अनेकों अनुभवों को व्यक्त किया। उन्होंने अपने सेवा काल में सहयोग हेतु विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही परिसर के डॉ. राजकुमार मिश्र, डॉ. यशवन्त त्रिवेदी, श्री राजेशकान्त तिवारी द्वारा प्रो. बनमाली बिश्वाल महोदय को अपने अथाह अनुभव से समस्त परिसरीय शिक्षकों को लाभान्वित करते रहने का अनुरोध किया। सौप्रस्थानिक कार्यक्रम में परिसर की सहायकाचार्य डॉ. मोनाली दास सहित श्री विपिन द्विवेदी, श्री आशीष द्विवेदी, श्री राजीव कुमार, श्री रामसिंह, श्री सन्दीप कुमार, श्री अमित रावत, सुश्री सोनाली, सुश्री ज्योति, श्री नन्द कुमार, श्री द्वारिका प्रसाद कुशवाहा आदि समुपस्थित रहे। सहित अनेकों छात्र–छात्राएँ सम्मिलित रहे।

अधिकमास के तीसरे मंगलवार को बाबा भयहरणनाथ धाम में उमड़ा जनसैलाब

करीब चालीस हजार भक्तों ने किया दर्शन, पुलिस व कार्यकर्ता की उत्तम सुव्यवस्था

प्रतापगढ़। पांडव कालीन प्रसिद्ध बाबा भयहरण नाथ धाम में परम्परागत मंगलवार के तीसरे अधिक मास (मलमास) मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। पर्याप्त पुलिस बल व कार्यकर्ताओ की मदद से मेला नियंत्रण व यातायात प्रबन्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नगर पंचायत, पुलिस व प्रबन्ध संस्था द्वारा संचालित मेला नियन्त्रण कक्ष से भूला भटका वे सहायता शिविर चलाया गया। अनुमान के अनुसार लगभग 40 हजार से अधिक श्रद्धालु भक्तो ने मलमास के परम्परागत तीसरे मंगलवार को दर्शन पूजन किया।

यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि पुलिस चौकी प्रभारी राजीव वर्मा के संयोजन में पुलिस की उत्तम सुव्यवस्था की गई। मेला क्षेत्र में भ्रमण करके उन्होंने सभी व्यवस्था पर अपनी अहम भूमिका निभाई वहीं पुलिसकर्मी मंदिर परिसर, प्रवेश द्वार एवं प्रमुख मार्गों पर लगातार निगरानी करते रहे। वहीं मेला नियंत्रण कक्ष मंदिर व्यवस्था समिति के सचिव सच्चिदानंद पांडेय व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र स्थानीय कार्यकर्ताओ के साथ सेवा कार्य निभाया। सुबह से ही मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालु ष्हर–हर महादेवष और बाबा भयहरणनाथ के जयकारों के साथ दर्शन–पूजन के लिए पहुंचे। हजारों की संख्या में आए भक्तों ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। वहीं स्प्न टीम भी सक्रिय रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रही। सेवा समिति के नाम पर कुछ लोग नकद वसूली कर रहे थे जिसे प्रशासनिक रूप से तत्काल नियंत्रित किया गया। कंट्रोल रूम से बराबर मेला शुल्क मुक्त होने का संदेश प्रसारित होता रहा और लोगो की जरूरी सहायता कार्य होता रहा। पूरे दिन धाम परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा श्रद्धालुओं की आस्था, उत्साह और बाबा के प्रति अटूट विश्वास ने अधिक मास के इस विशेष तीसरे मंगलवार को यादगार बना दिया। इस अवसर पर पुजारी गण भोला नाथ तिवारी, राम सुंदर पटेल, हीरा लाल, बिच्छू महाराज, धीरेंद्र शुक्ल महाराज, अवधेश मिश्र, सहायक पुजारी रामू तिवारी, धनपतिया देवी, संतोष कुमार आदि सभी पुजारियों व सेवा कर्मियों के साथ जन सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सैद्धांतिक स्वरुप में ज्ञान और अनुभवात्मक रुप में विज्ञान समाहित– प्रो. रामनाथ

प्रयागराज। नई दिल्ली स्थित प्रो. अनीता स्वामी शोध संस्थान द्वारा दिनांक 02 जून 2026 को भारतीय विज्ञान–परम्परा के विविध आयाम विषय पर एक ऑनलाइन एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों के विद्वानों, आचार्यों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के ऑनलाइन जुड़ने के उपरान्त श्री नितिन त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। तत्पश्चात् संगोष्ठी के संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए भारतीय विज्ञान परम्परा की समृद्ध विरासत एवं उसकी समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। शोधचछात्रा फलक अंजुम ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।संगोष्ठी में डॉ. माया वर्मा सह–आचार्य, संस्कृत विभाग इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय ने विशिष्ट वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने भारतीय विज्ञान–परम्परा के विभिन्न आयामों, उसकी वैज्ञानिकता तथा आधुनिक युग में उसकी उपयोगिता पर विस्तार से विचार व्यक्त किया। इसके उपरान्त डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने सारस्वत वक्तव्य देते हुए भारतीय ज्ञान विज्ञान की वैश्विक उपादेयता एवं अनुसंधान की नवीन दिशाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विज्ञान अमूर्त ज्ञान को मूर्त करता है। विज्ञान की शक्ति सत्त्व मूलक होनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. रामनाथ झा, आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने भारतीय विज्ञान परम्परा के मूलभूत सिद्धान्तों, उसकी शोधपरक परम्परा तथा वर्तमान समय में उसकी आवश्यकता पर सारगर्भित विचार व्यक्त किया। प्रो. झा ने कहा कि सैद्धांतिक स्वरुप का आत्मिक भान ज्ञान है जबकि अनुभवात्मक यथार्थ रुप विज्ञान है। ऋषि, ऋषिका के सत्व सूक्ष्म चिन्तन का प्रायोगिक ज्ञान विज्ञान है। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से जुड़े विद्वानों तथा शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। शोध पत्र प्रस्तुत करने वालों में डॉ. घनश्याम मिश्र (केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर) डॉ. कपिल गौतम (वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा) डॉ. आयुष गुप्ता (डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर), डॉ. महविश अंजुम (भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज) डॉ. प्रदीप (महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा), डॉ. अरविन्द कुमार (मेरठ कॉलेज, मेरठ), डॉ. ललित कुमार (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज), डॉ. इन्दु सोनी (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली), डॉ. सोनमती पटेल (आर्य कन्या डिग्री महाविद्यालय, प्रयागराज) तथा डॉ. ओमप्रकाश (मुक्त अध्ययन संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) डॉ. मोनिका राठौर प्रमुख रहे। इसके अतिरिक्त शोधार्थियों में विप्लवदेव देववर्मा (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज), अर्चना सारण (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली), प्राची नोटियाल (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली), गोपाल कृष्ण मिश्र (महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार), शिखा श्रीवास्तव, नितिन त्रिपाठी, अनन्त जी मिश्र, पवन मिश्र, फलक अंजुम, रिया त्रिपाठी तथा शिव किशन यादव (प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज) ने भी अपने शोध–पत्र प्रस्तुत कर विषय के विविध आयामों पर सार्थक चर्चा की। संगोष्ठी में श्री विनोद स्वामी (प्रो. अनीता स्वामी के भ्रातृश्रेष्ठ) बीकानेर, राजस्थान का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ। डॉ. पीयूष मिश्र, अतिथि प्रवक्ता, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी का कुशल संचालन किया। डॉ. प्रिया झा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। अतिथि प्रवक्ता डॉ. पूजा सिंह ने विशिष्ट सत्र का संचालन किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मोगरा रचे कहानी

(कुण्डलिया)

कलियों ने मुस्कान दी,हरि से कर अनुबन्ध।
शाम गमकने है लगी,भरती भोर सुगन्ध।
भरती भोर सुगन्ध, मोगरा रचे कहानी।
रात गहनतम स्वप्न की, जिसकी हुई दिवानी।
सुन लो कहें प्रदीप,बात प्रचलित सदियों से।
गढ़ा प्रेम इतिहास, मोगरा की कलियों ने।।

छूकर जिसके जिस्म को, हुई फ़िज़ाएँ मस्त।
उसकी खुशबू का कभी, सूर्य न होता अस्त।
सूर्य न होता अस्त, मोगरा कहते उसको।
आशा के अनुरूप, दे रहा खुशियाँ सबको।
सुन लो कहें प्रदीप,महक आँचल में भरकर।
करती महफ़िल गर्म, सभी के दिल को छूकर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विदाई समारोह का आयोजन

प्रयागराज। सी.एम.पी.डिग्री कालेज के रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर हम सबकी सीनियर,गुरुतुल्य,अत्यंत लोकप्रिय प्रो. अर्चना पांडेय मैम के रिटायरमेंट के अवसर पर विभाग के द्वारा विदाई समारोह का आयोजन डॉक्टर प्यारेलाल सभागार में आयोजित किया गया।

मैम ने अपने अध्यापन के लंबे कार्यकाल में बहुतों को गढ़ा है उनकी जिंदगी को संवारा है,जो समाज जीवन के अलग अलग क्षेत्रों में बुलंदियों पर हैं। मैम अकादमिक जगत् के साथ–साथ तमाम सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर एवं व्यक्तिगत प्रयासों से सेवा के अनेकों आयामों पर काम करती हैं।आप एक कुशल एवं अत्यंत लोकप्रिय शिक्षिका के साथ व्यवहार कुशल, कर्तव्यनिष्ठ, ध्येयनिष्ठ,संवेदनशील एवं सबके सुख दुख में साथ खड़ी रहने वाली विदुषी महिला हैं।आपके द्वारा सेवा के अनेकों प्रकार के कार्य किए जाते हैं 25 सालों में जो मैं जान सका गरीबों की मदद,निराश, हताश,अवसाद ग्रस्त छात्रों की काउंसलिंग,उनकी आर्थिक मदद, सबसे ज्यादा पुण्य का काम वृक्षारोपण,पौधों का वितरण, अपने सहयोगियों परिचितों के साथ भी हर परिस्थिति में खड़े रहना। ऐसे बहुत से पाजिटिव गुण जो हम सभी के लिए प्रेरणादायी हैं।

आज के इस अवसर पर कालेज के यशस्वी प्राचार्य प्रो.अजय प्रकाश खरे,प्रो. सुनंदा दास,प्रो रामेंद्र सिंह, प्रो.सरोज सिंह, प्रो. अर्चना श्रीवास्तव ,विभाग की संयोजिका प्रो.आरती गुप्ता सहित विभाग के सभी प्रोफेसर्स,शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं शोध छात्र उपस्थित रहे। हम सभी परमपिता परमेश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की मंगलमय कामना करते हैं।इस कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर संतोष कुमार श्रीवास्तव ने हिमानी चौरसिया, काजल सिहं,अश्विनी शर्मा ,जूही ,प्रगति एवं विभाग के सहयोगियो के सहयोग से किया। कार्यक्रम का संचालन जया और हिमानी ने संयुक्त रूप से किया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 16/2026 दिनांक 27.05.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या : 19265376A | मात्रा : 301 नग | ई.म.डी. रू0 : 1,55,820/-

विवरण : उपकरण केस असेंबली/लोकेशन बॉक्स

निविदा खुलने की तिथि : 23.06.2026

नोट :- 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये।

उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1230/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांक :- 211/आर-वि0भू0अ0(सं0स0) प्रयागराज दिनांक 27.05.2026

सार्वजनिक सूचना

(अन्तर्गत धारा 20 एफ (4) रेलवे अधिनियम 1989 यथा संशोधित -2008)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार ने रेलवे अधिनियम 2008 (2008 का 11 वां) की धारा 20 (क) की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग -II खण्ड-3 उप-खण्ड (ii) प्राधिकार से प्रकाशित अधिसूचना संख्या 3404 (अ) दिनांक 07 जुलाई 2025 में प्रकाशित भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की अधिसूचना सं0 का.आ. 851 (अ) दिनांक 12 फरवरी, 2026 द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले के तहसील मेजा में विशेष रेल परियोजना, अर्थात प्रयागराज मण्डल के पं0 दीन दयाल उपाध्याय - प्रयागराज खण्ड पर स्थित लेवल क्रासिंग सं0 18 पर दो लेन ओवर ब्रिज के निर्माण के वास्ते ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा परियोजना के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 20क की उपधारा (4) के अधीन "दैनिक समाचार पत्रों अर्थात हिंदुस्तान, प्रयागराज एवं टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ में दिनांक 01 अगस्त, 2025 तथा दैनिक जागरण प्रयागराज एवं टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ में 26 फरवरी, 2026 को क्रमशः को प्रकाशित किया गया था और इस परियोजना में प्राप्त सभी आक्षेप प्राप्त हुए थे, सक्षम प्राधिकारी द्वारा उस पर विचार किया गया तद्नुसार आदेश पारित कर दिए गए हैं, और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 20ड की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। केन्द्रीय सरकार सक्षम प्राधिकारी से उक्त रिपोर्ट के प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा 20ड की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त "शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी" और यह की केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 20ड की उपधारा (1) में यह घोषणा करती है कि राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने पर इससे आबद्ध अनुसूची में अलग विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर केन्द्रीय सरकार में आत्यन्तिक रूप से निहित हो जाए जाएगी। उक्त अधिनियम की धारा 20ढ की उपधारा (4) में प्रतिकर धनराशि का अवधारित करने से पूर्व इस आशय की सार्वजनिक नोटिस दी जाती है कि अर्जित की जानी वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्तियों से इस आशय का दावा आमन्त्रित किया जाता है कि अधिग्रहित भूमि में अपने से संबंधित हित को प्रकृति तथा ऐसे हितों के संबंध में दावे की धनराशि यदि कोई हो तो पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के भी दावे को साथ संलग्न करते हुए कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (सं0सं0) कलेक्ट्रेट परिसर प्रयागराज में अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत करने का हेतु इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन से 10 दिवस का अवसर प्रदान किया जाता है।

सक्षम प्राधिकारी /विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (सं0सं0), प्रयागराज।

1216/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.......

पंजाब के संकेत

सही मायने में पंजाब के हालिया स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के आधार पर अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक निष्कर्ष तो नहीं निकाले जा सकते। हां, लेकिन इन परिणामों से महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत जरूर मिलते हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र की इस छोटी इकाई, नगर निकाय चुनावों में राज्य स्तर का व्यापक परिदृश्य तो नहीं उभरता, बल्कि स्थानीय मुद्दे इन चुनावों में निर्णायक भूमिका जरूर निभाते हैं। वैसे पिछले ट्रेंड के आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे चुनावों में राज्य के सत्ताधारी दल को लाभ निश्चित रूप से मिलता है। इसका कारण यह भी है कि प्रभावी व संपन्न लोग सत्तारूढ़ दल के करीब आना चाहते हैं। मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दर्शाता है। सही मायने में स्थानीय निकाय चुनावों में आमतौर पर मतदाताओं की भागीदारी असमान और कम रही है। माना जाता है कि विधानसभा चुनाव में मतदान आमतौर पर अधिक होता है और राजनीतिक मुद्दे व्यापक होते हैं। इसके बावजूद, यह चुनाव निष्कर्ष विपक्ष के लिए चिंताजनक वास्तविकता को दर्शाता है। पंजाब में पांव पसारते नशीली दवाओं के कारोबार, अपराध, कानून व्यवस्था और सरकार की शासन संबंधी नीतियों को लेकर विपक्ष की कड़ी आलोचना के बावजूद, विपक्षी दल जनता की असंतुष्टि को वोटों में तब्दील करने में विफल ही रहे हैं। कांग्रेस गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर शिअद अभी भी बेअदबी विवाद और किसान आंदोलन के राजनीतिक नतीजों से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परिदृश्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी–हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता खासा लंबा है। लेकिन फिलहाल, आम आदमी पार्टी ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष अभी भी एकजुटता और दिशा की तलाश में लगा हुआ है।

संविधान के आलोक में विश्वास की पूंजी से हों कानूनी बदलाव

नीतीश कुमार सिंह

उत्तराखंड व गुजरात के बाद अब असम में श्एक समान नागरिक संहिता कानूनश् पारित होने से अल्पसंख्यक समाज में परंपरा और निजी मामलों में हस्तक्षेप की आशंका व्याप्त है, जो स्वाभाविक है। भारत जैसे प्रगतिशील, विविधतापूर्ण और बहु सांस्कृतिक देश में उच्च सामाजिक संबंधों और परंपराओं को तरजीह मिलनी चाहिए परंतु राज्य दर राज्य चुनाव जीतती राजनीतिक पार्टी को किसी समुदाय से जुड़े कोई भी बदलाव पूर्णतया लोकतांत्रिक तरीके से करने चाहिये। यही इस देश का तकाजा है। अंतिम व्यक्ति के विश्वास की पूंजी संग विचार खुलकर लें जिसकी दरकार आज सभी राज्यों की है। सत्ता की ताकत का बेजा इस्तेमाल करने की जगह लोक कल्याण और जन परंपराओं को पुष्ट करने में लगाना होगा। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। हरेक राज्य सरकार को बेशक लोक व्यवहार से सुंदर संस्कृतियों को नत्थी कर आचारवान और परस्पर हक अदायगी का कानूनी प्रावधान करने चाहिए, परंतु उनमें विभिन्न समाजों की आशंकाएं मिटाकर उनकी जगह सिर्फ आशा का संचार होना चाहिए।

समान नागरिक संहिता के बारे में भी यही बात लागू होती है जिस पर करीब सौ साल की धीमी परंतु गंभीर बहस है। असम के ही हालिया कानून के जरिए– एक पत्नी प्रथा, शादी में पुरुषों की उम्र 21, महिलाओं की 18, लिव इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण और परित्यक्त महिलाओं के भरण–पोषण को एक जैसे कानूनी ढांचे के अंदर लाया गया। इस बीच, अल्पसंख्यक समुदायों की आशंका थी कि उनके धार्मिक और परंपरागत पहलुओं पर हमला तो नहीं हो रहा। ऐसे मामलों में किसी भी सरकार को हरेक नागरिक के लोक पहलू पर ध्यान केंद्रित करना था। उसका संवैधानिक कर्तव्य है कि देश के किसी हिस्से में किसी प्रक्रिया से बंधुता में खलल न हो और समुदायों का विश्वास जीता जाए।

संविधान सभा भी धर्मनिरपेक्ष राज्य की दिशा में विभिन्न पहलुओं पर चिंता व्यक्त करते हुए एक समान नागरिक संहिता की आवश्यकता और आशंका के पाटों के बीच विचार–विमर्श कर रहा था। संविधान सभा में 23 नवंबर, 1948 को नीति निदेशक सिद्धांत के अनुच्छेद–44 संबंधी प्रस्ताव श्नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता– राज्य, भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्राप्त करने का प्रयास करेगाश् पर चर्चा हुई। संविधान सभा के सदस्य केएम मुंशी ने इस प्रस्ताव में मौलिक अधिकार संबंधी अनुच्छेद 19 का उल्लंघन और अल्पसंख्यकों के प्रति अन्याय का मसला आने पर कहा था– श्धार्मिक आचरण लौकिक आचरण सहित होना चाहिए। यदि सामाजिक कल्याण के क्षेत्र हों तो इस विषय में संसद को कानून बनाने का अधिकार होगा, जिसमें अल्पसंख्यकों के मूल अधिकार का उल्लंघन नहीं होगा।श् उन्होंने आगे कहा कि, किसी भी उन्नत मुस्लिम देश में निजी कानून को अटल नहीं माना गया है कि व्यवहार संहिता को बनाने का निषेध हो। तुर्कीए या मिस्र में इन देशों के अल्पसंख्यकों को ऐसे अधिकार नहीं दिए गए हैं। पूर्व साम्राज्य में भी केंद्रीय विधान मंडल ने शरियत कानून पारित किया तब खोजा और कच्छी मेमन लोग अत्यंत असंतुष्ट थे। वह उस समय कुछ हिंदू परंपराओं का पालन करते थे। धर्म परिवर्तन के समय से ही उनका पालन करते आए थे। वे शरियत के अनुसार नहीं चलना चाहते थे। खोजा और कच्छी मेमन को अनिच्छा से इसे मानना पड़ा। उस समय उनके अधिकार कहां थे? वहीं यूरोप के कई देशों में व्यवहार संहिता है और सभी को इसे मानना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा–धर्म का सामाजिक संबंध या उत्तराधिकार से क्या संबंध है? हिंदू संहिताओं में ही कई प्रावधान मनु और याज्ञवल्क्य या अन्य शास्त्रों के विचारों से भिन्न हैं। हमारा समाज प्रगतिशील है। एक कानून न होने का कुछ जगहों पर नुकसान देखा तो गया है लेकिन अंतिम संहिता बनाने के पहले विचार–विनिमय अत्यावश्यक है। अभी कहीं मयूख, दयाभाग, मिताक्षरा कानून है जिन्हें भिन्न–भिन्न हिंदू कानून माना जाता है। एक समान नागरिक संहिता नहीं होने का अल्पसंख्यकों ही नहीं, बहुसंख्यकों पर भी प्रभाव पड़ता है। अंग्रेजी राज में हमारे मस्तिष्क में था कि निजी कानून धर्म का भाग है यह भावना अंग्रेजों और उनके न्यायालयों ने उकसाई थी। संविधान सभा के सदस्य मोहम्मद इस्माइल साहब ने निजी कानून– विवाह, उत्तराधिकार, संपत्ति, संविदा आदि को धर्म और संस्कृ ति का भाग बताया और असांप्रदायिक राज्य बनाने के विचार में निजी कानून से छेड़–छाड़ नहीं होने की बात कही। ऐसे ही एक अन्य सदस्य नसरुद्दीन अहमद ने कहा कि निजी कानून को उस जाति की पूर्ण सहमति के बिना परिवर्तित नहीं किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने अपना संशोधन भी पेश किया था लेकिन संविधान सभा ने उसे नहीं माना था। अंततः संविधान सभा के सदस्य डा. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने हस्तक्षेप करते हुए कहा–देश में अपराधिक से लेकर संपत्ति हस्तांतरण का कानून एक ही है। सिर्फ विवाह और उत्तराधिकार बचे हैं परंतु सारे भारत में मुसलमानों का निजी कानून एक नहीं था। 1935 तक पश्चिमेत्तर सीमा प्रांत में शरियत कानून लागू नहीं था। उत्तराधिकार व अन्य विषयों में वहां हिंदू कानून लागू था। 1939 में केंद्रीय विधान मंडल ने हस्तक्षेप किया वहां मुसलमान पर हिंदू कानून बंद कराया गया और शरियत कानून लागू करना पड़ा था। 1937 तक संयुक्त प्रांत, मध्य प्रांत व मुंबई में उत्तराधिकार के विषय में काफी हद तक हिंदू कानून लागू था। उन्होंने आगे बताया कि मालाबार में मरुमक्थायम कानून हिंदू और मुसलमान दोनों पर लागू था, जो मातृ प्रधान कानून है। उन्होंने सुझाव दिया कि–राज्य देश के लिए एक व्यवहार संहिता के निर्माण का प्रयत्न करेगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विभिन्न जन समुदायों पर सैकड़ों साल में दर्जनों संस्कृतियों का असर पड़ा। इससे लोक व्यवहार में आमूल परिवर्तन भी हुए। अंग्रेजों की सांप्रदायिक और फूट डालकर राज करने की नीति ने समाज, धर्म और संस्कृतियों का काफी हद तक बेड़ा गर्क किया। आज उन बातों को समझकर विश्वास बहाली के साथ प्रगतिशील, सौहार्द्र और उच्च मानवीय मूल्यों की सामाजिक परंपरा और कानूनी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

सरकार हिन्दू-मुसलमान से बनती है बच्चों की पढ़ाई लिखाई से क्या मतलब!

शकील अख्तर

सरकार जब पढ़ा नहीं सकती तो परीक्षाएं क्यों ले? और परीक्षाओं का काम क्या है? पास होकर सिलेक्ट होकर क्वालिफाई कहलवाकर सीट मांगेंगे, नौकरी मांगेंगे! नेहरू के रास्ते पर नहीं जाना। इसलिए स्टूडेंट चाहे जितना चिल्लाएं, परेशान हों, उनके अभिभावक परेशान हों मोदी सरकार को कोई मतलब नहीं है। क्या करें? केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कह दिया। क्या करें? जब पेपर बनाने वाले ही उसे लीक कर रहे हैं। कितना अच्छा जवाब है। इससे पहले तो पेपर ऊपर से बन कर आते थे? कोई व्यक्ति नहीं बनाता था। इसलिए लीक नहीं होते थे। अब यह सरकार अपने आदमियों को लेकर आई है। उनसे बनवाती है और वहीं बेच देते हैं। तो इसमें कितनी ईमानदारी से धर्मेन्द्र प्रधान ने कह दिया क्या करें! धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफा मांग रहे लोगों को समझना चाहिए कि वे एक छोटे मोहरे भर हैं। वैसे ही जैसे मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। क्या एक बार में उनका नाम याद आ जाता है? नहीं उनके पिछले वाले का याद आ जाता है। दोनों नाम गड्डमड्ड हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि उन नामों का कोई महत्व ही नहीं है। जैसे गणित के सवालों में ए बी सी कहा जाता है। या और भी विषयों में उदाहरण देने के लिए वैसे ही यहां व्यक्ति नहीं ए बी सी हैं। धर्मेन्द्र प्रधान को खुश होना चाहिए कि आज उनका नाम बच्चा–बच्चा जान गया। नहीं तो केन्द्र सरकार में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के अलावा और कोई नाम किसी को पता नहीं है। सरकार को बच्चों को फेल ही करना है तो यह प्रयोग करके देखे कि उनसे पूछे कि किस मंत्रालय के कौन मंत्री है? सब फेल हो जाएंगे। हां, जो सवाल पूछने वाले हैं उनके सामने भी लिखकर रखना होगा कि किस मिनिस्ट्री में कौन है? नाम उन्हें भी याद नहीं होंगे। तो बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा! धर्मेन्द्र प्रधान को लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। स्टूडेंट का जैसा इम्तहान उन्होंने लिया है। मानसिक प्रताड़ना देकर वैसा इतिहास में कभी नहीं हुआ। हां, गोदी मीडिया चाहे तो वह बता सकती है कि नेहरू के राज में भी यह हुआ था और सारी व्यवस्था उन्हीं की बिगाड़ी हुई है। ये आईआईटी एम्स और दूसरे वैज्ञानिक और शिक्षण संस्थान सब गलत बनाए। नेहरू इसके बदले अगर पकौड़े की दुकान खोलने को स्टूडेंट और युवाओं को प्रोत्साहित करते तो अब यह परीक्षा वगैरह की जो बात हो रही है वह ही नहीं होती। कड़ाही, कलछा, तेल में ही सब उलझे रहते। शिक्षा की नींव ही गलत रखी। गांव–गांव स्कूल खुलवाने से लेकर उच्च शिक्षा तक एक मजबूत ढांचा बनवा कर बेवजह समस्याएं बढ़वाईं। ढांचा इतना मजबूत है कि उसे तोड़ने में ही सारी ताकत लग रही है। यह पढ़ाई–लिखाई हटे तो हमें मूर्खता फैलाने के और रास्ते मिलें। ज्ञान विज्ञान झूठ और अफवाहें फैलाने में मुख्य बाधा है। यह टीचर लोग सरकारी तो बिचारे बोल नहीं पाते मगर इन कोचिंग वाले सरों ने तो हमारे झूठ की मुख्य फैक्ट्री गोदी मीडिया की ही धज्जियां उड़ा दीं। सारा दोष पढ़ाई–लिखाई का है। न यह कोचिंग वाले टीचर इतने पढ़े–लिखे होते न इन पर स्टूडेंट का इतना विश्वास होता तो न वह गोदी मीडिया के एंकरों से कहने की हिम्मत कर पाते कि हम पढ़े–लिखों पर उंगली उठा रहे हो अनपढ़ एंकरों। पढ़ाई–लिखाई व्यक्ति में हिम्मत पैदा करती है। इसलिए पढ़ाई–लिखाई का सारा सिलसिला बंद किया जा रहा है। पहले कहा जाता था पढ़ना–लिखना सीखो ए मेहनत करने वालों अब कहा जा रहा है–नफरत करना सीखो ए पढ़ने–लिखने वालों! सरकार का मुख्य काम है हिन्दू–मुसलमान करना। 12 साल से वोट इसी के नाम पर मिल रहे हैं तो फिर यह मेडिकल का नीट, सीबीएसई की कापियां जांचने में भारी लापरवाही फिर उसके पुनर्मूल्याकंन में और ज्यादा गड़बड़ी। इस स्तर तक कि सवाल उठाने वाले 17 साल के स्टूडेंट को पाकिस्तानी बता देने, विश्वविद्यालयों में प्रवेश का सीयूईटी यूजी और दूसरे तमाम टेस्टों पर ध्यान लगाने की सरकार को जरूरत क्या है? शनिवार को उच्च शिक्षा के लिए जो ऊपर बताया कि जिसका जाल देश भर में नेहरू ने बिछाया, जिसमें देश ने सबसे ज्यादा नाम किया उसमें एडमिशन के लिए हुए टेस्ट सीयूईटी– यूजी में परीक्षा तक समय पर नहीं ले सके। सुबह 9 बजे का टाइम था। पैरेंट बच्चों को लेकर पहुंचे मगर परीक्षा साढ़े ग्यारह बजे शुरू की। करते रहो बैठे रहो। कोई मतलब नहीं। दूसरी पारी का शाम तीन के बदले चार बजे हुआ। कुछ जगह तो पहली शिफ्ट की परीक्षा रद्द कर दी। कभी किसी को याद है पहले ऐसा हुआ हो। लेकिन हां, जरूरत पड़ेगी तो गोदी मीडिया ऐसी तमाम कहानियां लेकर आ जाएगा कि तब हुआ और तब हुआ। पाकिस्तान का उदाहरण दे सकते हैं। कहो मुगलों तक चले जाएं। नासा का नाम लेकर मंगल और दूसरे ग्रहों के दावे तो वे करते ही रहते हैं। बोल सकते हैं वहां भी हुआ था। सरकारी आंकड़ें हैं कि 2019 से लेकर अब तक 65 बड़ी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। यह सारे मामले या तो केन्द्र सरकार के हैं या डबल इंजन सरकार के। अब इसका इलाज सरकार ने क्या ढूंढा? एक एयर फोर्स के जहाजों से पेपर पहुंचाए जाएंगे। खुद धर्मेन्द्र प्रधान केन्द्रीय शिक्षा मंत्री कह रहे हैं कि पेपर लीक बनाने वाले ही कर रहे हैं तो फिर यह एयर फोर्स से पहुंचाने का क्या मतलब? क्या रास्ते में लूटे गए हैं कभी? अरे सेना का ही इस्तेमाल करना था तो उससे पेपर बनवा लेते। वहां मेडिकल कोर (योग्य और प्रतिष्ठित डाक्टरों का विभाग) भी है। मेडिकल की फिर से होने वाली परीक्षा नीट 21 जून के लिए ही यह एयर फोर्स और आर्मी भी इस्तेमाल करने की बात कही है। दूसरे दिल्ली की भाजपा सरकार ने और बड़ी घोषणा की। नीट के लिए जाने वाले परीक्षार्थियों को डीटीसी (दिल्ली की सरकारी बस सेवा) में फ्री यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। कैसा मजाक है? मांग रहे हैं कि पेपर लीक न हो, समय पर परीक्षा शुरू हो जाए सरकार कह रही है कि डीटीसी की बस फ्री कर दी। आर्थिक दबाव से मुक्ति का बड़ा उपकार। मीडिया इसे कहती है भाजपा सरकार का गिफ्ट। कितना किराया होता है? 5, 10, 15, 20 रुपए। यह हैं टिकट की दर। 5 से लेकर 20 रुपए बचा लेंगे! बसों की हालत इतनी खराब है। भीड़ है। इतनी देर–देर में आती हैं। फिर स्टाप पर रुकती है, नहीं रुकती! कोई जाएगा? और मान लो परीक्षार्थी गया तो उसका एडमिट कार्ड कंडक्टर देखेगा। दस बार उलटा–पलटी करेगा। चार सवाल भी। परीक्षा देते छात्र पर क्या गुजरेगी? और इससे भी मजेदार बात। साथ गए मां–बाप को टिकट लेना होगा। फुल नाटक। केवल प्रचार। स्टूडेंट की कीमत पर भी। महिलाओं के लिए पहले डीटीसी फ्री थी। मगर अब जिन्होंने इसके लिए अप्लाई करके कार्ड बनाया हो सिर्फ उनके लिए। और वह भी आधार से बनते हैं केवल दिल्ली निवासी। एनसीआर की महिलाओं के लिए नहीं। महिला परीक्षार्थी के लिए तो मान लिया फ्रीहै। मगर साथ में मां होगी तो क्या उसके पास दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद लागू नई व्यवस्था का पास होगा? मगर गोदी मीडिया ने घोषणा कर दी बड़ी राहत। उस दिन ट्रैफिक जाम न हो यह देख लें। परीक्षा समय से शुरू हो जाए। पंखे, पानी की व्यवस्था हो और सबसे बड़ी बात पेपर लीक न हो।

सभ्य समाज में हिंसा की जगह नहीं

आखिरकार वे सारी आशंकाएं सही साबित हो रही हैं, जिनका डर विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी बरसों से दिखा रही थी। भाजपा ने संविधान और लोकतंत्र को दांव पर लगा दिया, यह अब महज आरोप नहीं रह गया है। राहुल गांधी ने कहा था कि नफरत का केरोसिन पूरे देश में छिड़क दिया गया है और अब उसी से चिंगारी भड़काई जा रही है। प. बंगाल में विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों के साथ भीड़ ने जो हिंसा की, वह इसी चिंगारी भड़कने का नतीजा है। संविधान और लोकतंत्र को कुचलने की साक्षात तस्वीर है। शनिवार को प.बंगाल के सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी चुनाव बाद हुई हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने जा रहे थे, तब उन पर पहले से इकत्रद्दा भीड़ ने अंडे और पत्थर फेंके, उनके साथ धक्का–मुक्की की। अभिषेक बनर्जी के किसी साथी ने उन्हें फौरन हेलमेट पहनने दिया, जिससे उनके सिर पर पत्थर नहीं लग सका। अन्यथा इस घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें से एक में नजर आ रहा है कि एक व्यक्ति ने बड़ा सा पत्थर उन पर निशाना लगाकर फेंका है। इस घटना को चंद घंटे नहीं बीते थे कि टीएमसी के ही एक अन्य सांसद कल्याण बनर्जी पर इसी तरह हमला हुआ, जिसमें उनके सिर पर चोटें आई हैं। लोकतंत्र को लहूलुहान होते देखने को ही क्या अच्छे दिन कहना चाहिए, अब यह जनता को सोचना होगा। प.बंगाल में चुनाव जीतने के फौरन बाद ही टीएमसी कार्यालयों में तोड़फोड़ और आगजनी की कई घटनाएं हुई थीं। टीएमसी के कई कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट भी हुई थी। हालांकि उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि बदले की नहीं बदलाव की राजनीति होगी। तो क्या श्री मोदी के मुताबिक बदलाव की यही परिभाषा है कि अराजक भीड़ को हिंसा की छूट मिले और पुलिस प्रशासन मौके से गायब दिखें। गौरतलब है कि भाजपा नेता अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमलों को गलत तो कह रहे हैं लेकिन साथ में यह जोड़ना नहीं भूल रहे कि बंगाल का यही रक्त चरित्र रहा है और टीएमसी के लोग भी इसी तरह की गुंडागर्दी किया करते थे। यह तो वही बात हुई कि एक गलत के बदले आप दूसरा गलत करें और उसे अतीत के आधार पर सही साबित करने की कोशिश करें। बंगाल की सुवेन्दु अधिकारी सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने तो यहां तक कह दिया कि जनता टीएमसी से नाराज है तो इन लोगों को घर से नहीं निकलना चाहिए। यानी भाजपा यह स्वीकार कर रही है कि भीड़ की हिंसा जायज है और उसे रोकने की क्षमता भाजपा सरकार में नहीं है। दिलीप घोष ने यह भी कहा कि अभिषेक बनर्जी को हीरो बनने की क्या जरूरत थी। कितनी अजीब बात है कि एक जनप्रतिनिधि अगर जनता के बीच जाए तो उसे हीरो बनना कहा जा रहा है। याद कीजिए कि नरेन्द्र मोदी को भी पंजाब के पिछले विधानसभा चुनाव में ऐसे ही हीरो बनने का मौका मिला था, जब थोड़े से किसान उनके काफिले के रास्ते में थे और अपनी शिकायत दर्ज करवाना चाहते थे। तब तो श्री मोदी उनका सामना करने की जगह वापस लौट गए, अपनी रैली रद्द कर दी और पुलिस से कहा कि अपने मुख्यमंत्री से कहना मैं जिंदा लौट गया। देश ने पहली बार किसी प्रधानमंत्री को जनता से इस तरह बचकर लौटते देखा था। प्रधानमंत्री मोदी चाहते तो किसानों से मिलते, उनकी नाराजगी को सुनते और हीरो बन जाते। लेकिन मोदी न खुद हीरो बने न चाहते हैं कि दूसरा कोई इस तरह की हिम्मत दिखाए। बहरहाल, भाजपा चाहे न चाहे, लेकिन विपक्ष के तमाम बड़े नेता इसी तरह जनता के बीच जाते रहते हैं। उनकी विचारधारा कुछ भी हो और आपसी मतभेद चाहे जितने हों, लेकिन इन सबमें एक बात सामान्य है कि अपने विरोधियों को वे दुश्मन की तरह नहीं मानते हैं। लोकतंत्र में विचारों की असहमति पर विपक्ष के नेताओं का यकीन बरकरार है। प.बंगाल की इस घटना ने अब एक बार फिर समूचे विपक्ष को एक साथ आने और भाजपा के खिलाफ आवाज उठाने का मौका दिया है। शनिवार से लेकर रविवार तक इंडिया गठबंधन के लगभग तमाम बड़े नेताओं ने ममता बनर्जी से बात की, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमले की निंदा की और भाजपा के शासन में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर लोकतंत्र को लेकर चिंता व्यक्त की। ध्यान रहे कि जून 2023 में विपक्ष के 16 दल बिहार में एक साथ बैठे थे और भाजपा के खिलाफ खड़े होने पर मंथन किया था तो इंडिया गठबंधन बनने की राह निकली, जिसने 2024 के चुनाव में भाजपा को महज 240 सीटों पर समेट दिया था। 2024 से 2026 तक इंडिया गठबंधन के दल आमतौर पर एकजुट ही रहे और संसद में भी कई मुद्दों पर उन्होंने मिलकर मोदी सरकार को झुकाया। विधानसभा चुनावों में थोड़ी–बहुत दूरी इंडिया के घटक दलों में नजर आई तो भाजपा और मीडिया दोनों ने इसे इंडिया गठबंधन का टूटना ही बताया। लेकिन यह उनकी खुशफहमी से ज्यादा कुछ नहीं था। बंगाल, बिहार जैसे राज्यों को जीतने के बाद भाजपा ने जिस तरह का नफरती माहौल विपक्ष के लिए बना दिया है, उसके बाद विपक्ष का यह दावा और सच साबित हो रहा है कि भाजपा से लोकतंत्र और संविधान दोनों को खतरा है। एसआईआर पर हाल में सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसमें भी विपक्ष अब और सावधान हो गया है। इंडिया गठबंधन यह जानता है कि उसकी मजबूती से ही भाजपा को हराया जा सकेगा। इसलिए चुनाव के वक्त ही ममता बनर्जी ने विपक्षी एकजुटता पर जोर दिया था और अब भी वो कह रही हैं कि उनका ध्यान अब विपक्ष को मजबूती से बांधने पर रहेगा, ताकि दिल्ली से भाजपा को हटाया जा सके। ममता बनर्जी का यह ऐलान अब और ज्यादा मायने रखता है। हालांकि विपक्ष के सामने यह चुनौती अब भी बरकरार है कि उसे बड़ा मकसद हासिल करने के लिए छोटे–छोटे स्वार्थों और मतभेदों को किनारे करना होगा। एकजुटता तभी धरातल पर असर दिखाएगी, अन्यथा केवल बातों में उलझकर रह जाएगी। नफरत के इस माहौल का बदलना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि समूचा समाज एक भयंकर हिंसक प्रवृत्ति के जाल में उलझ चुका है। प.बंगाल में दो सांसदों पर हमले हुए तो घटना पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हो रही है, लेकिन भीड़ की हिंसा का शिकार पहले भी कई बार आम नागरिक हो चुका है। तब भी समाज को इतना ही विचलित होना चाहिए, जो वह नहीं हो सका। शाब्दिक या व्यावहारिक किसी भी किस्म की हिंसा के लिए सभ्य समाज में जगह नहीं होनी चाहिए इस बात पर हरेक व्यक्ति ध्यान दे तो माहौल बदलेगा। अन्यथा मोदी सरकार का हाल तो ऐसा है कि न लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने अपने सांसदों के साथ हुई हिंसा पर अफसोस जताया, न प्रधानमंत्री या गृहमंत्री ने।

सुष्मिता को लगा मैं मजाक कर रहा हूं, चार साल पुरानी वायरल पोस्ट पर क्या बोले ललित मोदी?

“ललित मोदी के साथ रिश्ते में होने की बात सामने आने पर कई यूजर्स ने सुष्मिता सेन को गोल्ड डिगर कहा। इस पर ललित मोदी ने कहा, सुष्मिता एक खूबसूरत, कामयाब और अपने दम पर बनी महिला हैं। मेरे जानने वालों में शायद ही किसी के पास उनसे ज्यादा हीरे होंगे। उन्होंने यह सब खुद कमाया है।

बॉलीवुड अभिनेत्री, कारोबारी ललित मोदी के साथ रिश्ते में रही हैं। हाल ही में ललित मोदी ने सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते को लेकर कई बातें बताई हैं। बिजनेसमैन और पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी ने उस वक्त सोशल मीडिया पर सुष्मिता सेन के साथ कई तस्वीरें शेयर की थीं। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर हंगामा मच गया था। इस मामले पर ललित मोदी ने अपनी बात रखी है। साल 2022 में ललित मोदी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सुष्मिता सेन के साथ कई तस्वीरें शेयर की थीं। इस पोस्ट में ललित मोदी की कई तस्वीरें सुष्मिता सेन के साथ थीं। सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें वायरल हो गईं थीं। इन तस्वीरों पर कई यूजर्स ने दोनों की आलोचना की थी। लोगों ने इसे ललित और सुष्मिता के रिश्ते का ऐलान माना। इस पोस्ट पर और पूरे मामले पर ललित मोदी ने अपनी राय रखी है। ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बातचीत में ललित मोदी ने बताया कि यह पोस्ट उन्होंने सुष्मिता सेन के सामने की थी। उन्होंने कहा श्उन्हें लगा नहीं था कि मैं सच में इसे पोस्ट कर दूंगा। हम प्लेन में किसी बात पर बहस कर रहे थे और उन्होंने कहा, तुम इसे पोस्ट नहीं करोगे। मैं हंसा और मैंने बटन दबा दिया। उन्होंने आगे बताया कि सुष्मिता ने उनसे कभी भी उन तस्वीरों को हटाने के लिए नहीं कहा। उन्हें ऐसा करने का कोई अफसोस नहीं है। ललित मोदी के साथ रिश्ते में होने की बात सामने आने पर कई यूजर्स ने सुष्मिता सेन को गोल्ड डिगर कहा। इस पर ललित मोदी ने कहा, सुष्मिता एक खूबसूरत, कामयाब और अपने दम पर बनी महिला हैं। मेरे जानने वालों में शायद ही किसी के पास उनसे ज्यादा हीरे होंगे। उन्होंने यह सब खुद कमाया है। उनके तो हीरों के स्टोर भी थे। ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम कहीं बाहर गए हों और मुझे किसी चीज के लिए पैसे देने पड़े हों। हर चीज का बिल उन्होंने ही चुकाया। वह किसी से भी कभी कुछ नहीं लेती थीं। इसलिए जब लोगों ने उन्हें गोल्ड डिगर कहा, तो वह पूरी तरह से गलत था। अगर कुछ था भी, तो ललित ही डायमंड डिगर था। वह सचमुच एक हीरा हैं। सुष्मिता सेन और ललित मोदी कुछ ही दिनों तक साथ में रहे, इसके बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया था।

जान्हवी कपूर ने दी तेलुगु में स्पीच, बताया क्या है 'पेद्दी' का उद्देश्य? बोलीं- उम्मीद है फिल्म पसंद आएगी

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वो राम चरण के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। रिलीज से पहले विजयवाड़ा में फिल्म का एक प्री–रिलीज इवेंट किया गया। इसमें जान्हवी कपूर और राम चरण समेत फिल्म की प्रमुख कास्ट और क्रू मौजूद रहे। इवेंट के दौरान जान्हवी कपूर के तेलुगु भाषा में दिए गए स्पीच ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। वहां मौजूद लोगों को जान्हवी की तेलुगु काफी पसंद आई। फिल्म में अचियम्मा का किरदार निभाने वाली जाह्नवी ने दर्शकों को उनके समर्थन

“अपने तेलुगु स्पीच में जान्हवी ने कहा, 'आप लोगों के प्यार से मैं सचमुच बहुत खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि पेद्दी देखने के बाद भी आप अपना यही प्यार दिखाते रहेंगे। यही प्यार हमें हर दिन कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। हम जो कुछ भी करते हैं, वह आपके लिए करते हैं।

के लिए धन्यवाद दिया और फिल्म के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पेद्दी टीम के लिए एक खास फिल्म है और इसे अपनी पहचान के प्रति सच्चे रहने और जीवन में उद्देश्य खोजने की कहानी बताया। अपने तेलुगु स्पीच में जान्हवी ने कहा, 'आप लोगों के प्यार से मैं सचमुच बहुत खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि पेद्दी देखने के बाद भी आप अपना यही प्यार दिखाते रहेंगे। यही प्यार हमें हर दिन कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। हम जो कुछ भी करते हैं, वह आपके लिए करते हैं। आपका एंटरटेनमेंट करने और बड़ी स्क्रीन पर कहानियां दिखाने के लिए करते हैं। पेद्दी हम सभी के लिए एक बहुत ही खास फिल्म है। इसका सीधा मैसेज ये ही है, अपनी पहचान के प्रति सच्चे रहना और अपने जीवन का उद्देश्य खोजना।' एक्ट्रेस ने अपने स्पीच में आगे कहा कि जहां तक मेरी बात है, मेरा उद्देश्य आपके लिए अभिनय करना, आपका मनोरंजन करना और फिल्में बनाना है। मेरी पहचान आप सभी से गहराई से जुड़ी हुई है। कई साल से आपने मुझे जो लगातार समर्थन और प्यार दिया है, उसके लिए मैं आभारी हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं आपको आगे भी गर्व महसूस कराती रहूंगी। मुझे पूरी उम्मीद है कि आपको हमारी फिल्म पसंद आएगी। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित श्पेद्दीश में राम चरण और जाह्नवी कपूर के अलावा जगपति बाबू, शिवराजकुमार और दिव्येंदु भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक स्पोर्ट्स–ड्रामा फिल्म है और 4 जून को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी।

जब प्यार में बदली दोस्ती, कृति-रश्मिका के बीच किसे चुनेंगे शाहिद?

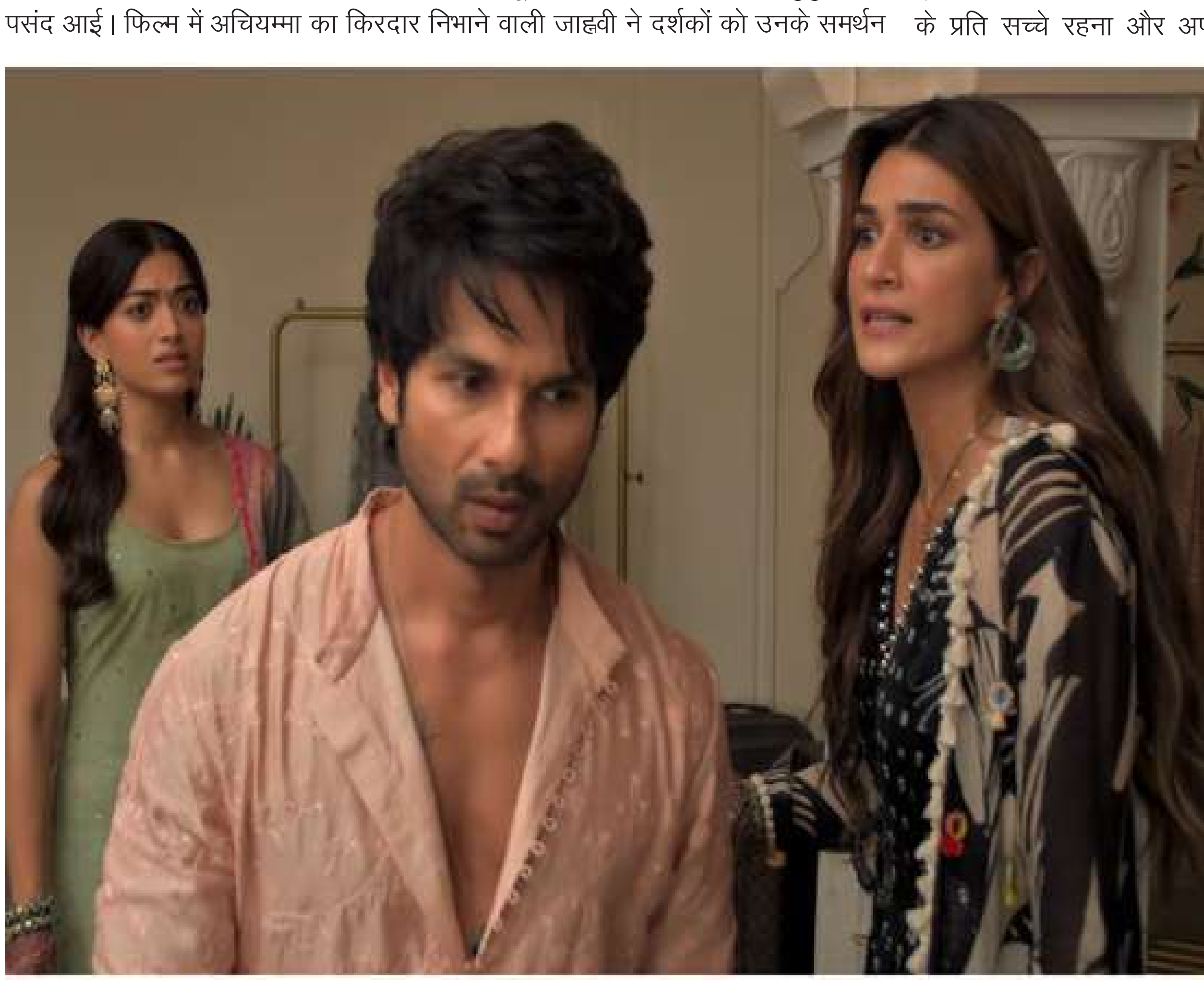

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की मच अवेटेड रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म 'कॉकटेल 2' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब ट्रेलर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर फैंस का इंतजार और भी बढ़ गया है। 3 मिनट 1 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की कार ट्रिप से होती है। शुरुआत में शाहिद कहते हैं, 'जब भी कोई रिश्ता नया होता है, तो वह रोमांचक होता है क्योंकि वह नया होता है। नए दोस्त मजेदार होते हैं क्योंकि उनकी कहानियां हमें दिलचस्प लगती हैं। पुराने दोस्तों से वही पुरानी कहानियां सुनते–सुनते हम थक जाते हैं। लेकिन प्यार उस फटी हुई टी–शर्ट की तरह है जिसमें हमें दो रातों तक चौन की नींद आती है। लेकिन जब प्यार दोस्ती में बदल जाता है और प्यार दोस्ती में प्रवेश कर जाता है, तो इससे बाहर निकलने का एक ही उपाय है।' इसके बाद ट्रेलर में दिखती है, तीन दोस्तों की कहानी। जो साथ में घूमते हैं, मस्ती करते हैं और मजे करते हैं। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब दोस्ती में प्यार की एंट्री होती है। ट्रेलर में दिखता है कि कैसे कृति और रश्मिका दोनों ही एक–एक करके शाहिद के प्यार में पड़ जाती हैं। इसके बाद परेशान होते हैं शाहिद।

10 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी एनिमेटेड फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ

आगामी एनिमेटेड फीचर फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह लगातार बढ़ रहा है। फिल्म के पहले पोस्टर को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 10 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट की घोषणा से पहले फिल्म की टीम ने बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में विश्वप्रसिद्ध आध यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रविशंकर से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर टीम ने फिल्म का आधिकारिक पोस्टर उन्हें भेंट किया और आगामी रिलीज के लिए शुभकामनाएं लीं। गुरुदेव ने फिल्म की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए पूरी टीम को आशीर्वाद प्रदान किया। इस विशेष और आध्यात्मिक अवसर के साथ निर्माताओं ने फिल्म का दूसरा आधिकारिक पोस्टर भी जारी किया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। लोकप्रिय एनिमेटेड श्रृंखला जय जगन्नाथ के माध्यम से करोड़ों दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने के बाद अब भगवान जगन्नाथ की दिव्य कथाएं बड़े पर्दे पर भव्य रूप में प्रस्तुत की जाएंगी। महाप्रभु जगन्नाथ एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है, जो उच्च स्तरीय एनिमेशन के जरिए भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जीवन मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाएगी। फिल्म भगवान जगन्नाथ से जुड़ी समृद्ध पौराणिक कथाओं और लोकविश्वासों को आकर्षक दृश्य शैली में प्रस्तुत करेगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना है, साथ ही उन्हें मनोरंजन के साथ प्रेरणादायक संदेश देना भी है। फिल्म के निर्माता और एले एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं क्रिएटिव हेड दुर्गा प्रसाद दलई ने कहा कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर से मिलना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना पूरी टीम के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और यादगार अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि महाप्रभु जगन्नाथ उनके महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट सनातन यूनिवर्स का पहला अध्याय है, जिसके माध्यम से भारतीय आध्यात्मिक कथाओं को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। भुवनेश्वर स्थित एले एनिमेशंस वर्ष 2008 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एनिमेशन कंटेंट का निर्माण कर रहा है और 36 से अधिक देशों के लिए परियोजनाओं पर काम कर चुका है। स्टूडियो का सबसे लोकप्रिय ओरिजिनल आईपी जय जगन्नाथ रहा है, जिसने भारतीय पौराणिक कथाओं को आधुनिक कहानी कहने की शैली के साथ सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया। भारतीय एनिमेशन उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत एले एनिमेशंस ने सिनेपोलिस के साथ साझेदारी की है। इसके तहत फिल्म को देशभर में 300 से अधिक स्क्रीन पर हिंदी, ओड़िया और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन श्रीपाद वारखेड़कर ने किया है, जबकि इसकी पटकथा और संवाद पल्लवी शर्मा ने लिखे हैं। संगीत अविरल कुमार ने तैयार किया है, जो फिल्म की भक्ति, भावनात्मकता और रोमांच को और अधिक प्रभावशाली बनाएगा। भक्ति, संस्कृति, रोमांच और भावनाओं से भरपूर महाप्रभु जगन्नाथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक अनूठा प्रयास है।

जन्मदिन पर फैंस से मिले इलैयाराजा, फोटो और फूलों का गुलदस्ता लेकर संगीतकार के ऑफिस के बाहर पहुंचे प्रशंसक

दिग्गज संगीतकार इलैयाराजा आज अपना 83वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनके ऑफिस के बाहर फैंस का जमावड़ा लग गया, जो उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए इकट्ठा हुए थे। इलैयाराजा ने फैंस की भावनाओं की कद्र करते हुए ऑफिस से बाहर आकर फैंस से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इलैयाराजा, जिन्हें उनके फैंस प्यार से 'इसाईज्ञानी' कहते हैं, आज अपने जन्मदिन पर फैंस से मिलने आए। फैंस कोदंबक्कम स्थित उनके ऑफिस के बाहर भारी संख्या में उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे थे। फैंस अपने साथ इलैयाराजा की तस्वीर, पोस्टर, फूलों के गुलदस्ते, मालाएं और बैनर लेकर अपनी पसंदीदा आर्टिस्ट के जन्मदिन पर पहुंचे। इलैयाराजा भी प्रशंसकों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए अपने ऑफिस से बाहर निकले और उन्होंने मुस्कुराते हुए भीड़ का अभिवादन किया। भारत के महानतम संगीतकारों में गिने जाने वाले इलैयाराजा ने एक हजार से अधिक फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया है। उन्होंने हिंदी समेत कई भारतीय भाषाओं में हजारों गाने कंपोज किए हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत और वेस्ट्रन म्यूजिक की उनकी अनूठी शैली ने उन्हें भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपार प्रशंसा दिलाई है। भारत के सबसे प्रतिभाशाली संगीतकारों में से एक माने जाने वाले इलैयाराजा तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्हें क्रमशः 2010 और 2018 में प्रतिष्ठित पद्म भूषण और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। उनके प्रमुख लोकप्रिय गानों में एन कनमणि कधली, रागम काएत्कुम कालम, ऐ जिंदगी गले लगा ले, वैष्णव जन तो जैसे गाने शामिल हैं।

चाहिए लंबे, घने बाल तो दालचीनी का करें इस्तेमाल

खूबसूरत, लंबे और घने बाल देखने में बहुत अच्छे लगते हैं। अमूमन ऐसे बाल पाने के लिए हम बाजार से कई तरह के प्रोडक्ट लेकर आते हैं, जो काफी महंगे होते हैं। लेकिन अगर आप बजट में रहकर अपने बालों की केयर करना चाहते हैं तो आपको अपनी किचन में मौजूद चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। इन्हीं में से एक है दालचीनी। यह आपके खाने को बेमिसाल महक व स्वाद देती है, लेकिन वहीं इसे बालों को लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। अगर इसकी मदद से हेयर पैक बनाकर बालों में लगाया जाए तो इससे बाल कुछ ही समय में घने हो जाते हैं। इसमें मौजूद एंटी–ऑक्सिडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–वायरल गुण बालों व स्कैल्प हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको दालचीनी की मदद से बनने वाले कुछ हेयर पैक बनाने के बारे में बता रहे हैं–

आवश्यक सामग्री–

– एक चम्मच दालचीनी

– एक चम्मच शहद

– एक चम्मच नारियल तेल

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले एक बाउल में दालचीनी, शहद और नारियल तेल को मिक्स करें और पेस्ट बना लें।

– अब आप मास्क को स्कैल्प पर लगाएं और फिर हल्के हाथों से मसाज करें।

– करीबन 20 मिनट के लिए मास्क को अपने बालों पर लगा रहने दें।

– अंत में, पानी व माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को क्लीन कर लें।

– आप सप्ताह में एक बार इस मास्क को अपने बालों में लगा सकते हैं।

दालचीनी और अंडे से बनाए मास्क

अंडे में मौजूद प्रोटीन आपके बालों को मजबूती प्रदान करता है। आपप इसे दालचीनी और नारियल तेल की मदद से मिक्स करके एक मास्क बनाएं।

आवश्यक सामग्री–

– एक अंडा

– एक चम्मच नारियल का तेल

– एक चम्मच दालचीनी

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले अंडा तोड़ लें और उसे फेंट लें।

– अब इसमें नारियल तेल और ताजी पिसी हुई दालचीनी डालकर मिक्स कर लें।

– अब इस पेस्ट को अपनी स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

– अंत में, माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को धो लें।

इसका रखें ध्यान

अगर आप दालचीनी का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो इसे इस्तेमाल से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य करर लें। इसके अलावा, आप इसे कम मात्रा में ही इस्तेमाल करें। जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से आपको नुकसान हो सकता है।

पीले दांतों को मोती जैसा चमकाने के लिए अपनाएं ये 6 टिप्स, हर कोई पूछेगा इसका राज

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और बदलती खान–पान की आदतों का असर सिर्फ सेहत पर ही नहीं, बल्कि हमारे दांतों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। चाय, कॉफी, सिगरेट और प्रोसेस्ड फूड्स की वजह से दांत धीरे–धीरे पीले पड़ने लगते हैं, जिससे मुस्कान की चमक भी फीकी पड़ जाती है। कई लोग महंगे डेंटल ट्रीटमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन कुछ आसान और घरेलू टिप्स अपनाकर भी दांतों को फिर से मोती जैसा सफेद और चमकदार बनाया जा सकता है। अगर आप भी अपनी स्माइल को पहले जैसा ब्राइट बनाना चाहते हैं, तो ये 6 आसान टिप्स आपके लिए बेहद काम के साबित हो सकते हैं।

सेब : नैचुरल क्लीनर की तरह काम करता है

सेब को दांतों के लिए एक नेचुरल क्लीनर माना जाता है। इसे चबाने से दांतों पर जमी गंदगी और हल्के दाग हटाने में मदद मिलती है। साथ ही यह मुंह में लार का प्रवाह बढ़ाता है, जिससे बैक्टीरिया कम होते हैं।

बादामः दांतों की सफाई में मददगार

बादाम चबाने से लार का उत्पादन बढ़ता है, जो दांतों की सफाई में अहम भूमिका निभाता है। इससे मुंह में बैक्टीरिया कम होते हैं और दांतों की नेचुरल सफाई बनी रहती है।

अनानासः दाग हटाने में असरदार

अनानास में मौजूद ब्रोमेलेन एंजाइम दांतों पर जमे दाग हटाने और मसूड़ों की सूजन को कम करने में मदद करता है। यह दांतों को अंदर से साफ रखने में भी सहायक माना जाता है।

खट्टे फलः लार बढ़ाकर करते हैं सफाई

संतरा, नींबू और कीवी जैसे खट्टे फल लार के उत्पादन को बढ़ाते हैं, जिससे मुंह में मौजूद बैक्टीरिया कम होते हैं और दांत प्राकृतिक रूप से साफ रहते हैं।

गाजरः नेचुरल ब्रश की तरह काम करता है

कच्ची गाजर चबाने से दांतों पर जमी गंदगी साफ होती है। यह एक तरह से नेचुरल टूथब्रश की तरह काम करती है और दांतों को मजबूत भी बनाती है।

स्ट्रॉबेरीः पीलापन हटाने में असरदार

स्ट्रॉबेरी में मौजूद मेलिक एसिड दांतों के पीलेपन को कम करने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन दांतों की चमक को बढ़ा सकता है।

घरेलू उपाय भी ला सकते हैं फर्क

बेकिंग सोडा और नींबू हफ्ते में 1,2 बार बेकिंग सोडा और नींबू का हल्का पेस्ट बनाकर दांतों पर इस्तेमाल करने से दाग कम हो सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी और नमकः मैश की हुई स्ट्रॉबेरी में थोड़ा नमक मिलाकर हल्के हाथों से दांतों पर रगड़ने से सफाई में मदद मिलती है।

नारियल तेलः रोज 10,15 मिनट नारियल तेल को मुंह में घुमाकर कुल्ला करने से बैक्टीरिया कम होते हैं और दांत साफ रहते हैं।

इन आदतों का रखें खास ध्यान

दिन में दो बार ब्रश जरूर करें। फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें। नियमित रूप से फ्लॉसिंग करें। एंटी–बैक्टीरियल माउथवॉश का उपयोग करें। ज्यादा मीठा, कोल्ड ड्रिंक और सोया सॉस से दूरी बनाएं। इन आसान टिप्स को अपनाकर आप भी अपने दांतों की खोई हुई चमक वापस पा सकते हैं और मुस्कान को और भी आकर्षक बना सकते हैं।

दवा से कम नहीं है लौंग की चाय! इम्यूनिटी से लेकर पाचन तंत्र को करती है मजबूत

लौंग एक ऐसा मसाला है जो हर भारतीय रसोई में मिलता है। इसको खाने में डालने में खाने का स्वाद कई गुणा बढ़ जाता है, साथ ही इसके बहुत सारे सेहत से जुड़े फायदे भी हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर लौंग सुपर हेल्दी है। लौंग में एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–माइक्रोबियल, एंटी–वायरल और एनाल्जेसिक विटामिन, मिनरल्स और अन्य पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। लौंग की चाय स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है। हर दिन चाय में लौंग डालने से ना सिर्फ उसका स्वाद बढ़ जाता है ब्लकि इससे दांतों का दर्द भी दूर होता है। साथ ही और भी कई सारे फायदे मिलते हैं। आइए जानते है इसके बारे में...

इम्यूनिटी

लौंग की चाय ना सिर्फ शरीर को गर्माहट पहुंचती है बल्कि इम्यूनिटी को भी स्ट्रांग करती है। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर से फ्री रेडिकल्स को नष्ट कर देता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है तो करोना के इस दौर में लौंग की चाय का सेवन जरूर करें।

सर्दी–खांसी

बदलते मौसम में अक्सर लोग सर्दी–खांसी की चपेट में आ जाते हैं तो लौंग की चाय के सेवन से ये समस्या दूर हो सकती हैं। लौंग में एंटीसेप्टिक, एंटी–वायरल और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं जो सामान्य संक्रमण, जुकाम और खांसी को दूर करने में मदद कर सकते है।

दांत दर्द

दांत के दर्द में लौंग के तेल और लौंग का इस्तेमाल करने के सलाह बड़े– बजुर्ग देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि लौंग की चाय के सेवन से भी दांत दर्द से छुटकारा मिल जाता है और मसूड़ों की सूजन भी काफी हद तक कम होती है।

एंटी इंफ्लेमेटरी

लौंग की चाय एंटी इंफ्लेमेटरी है। दरअसल, इस चाय को पीने से फेफड़ों की सूजन कम होती है और आप राहत महसूस कर सकते हैं। इसलिए अगर आपको इनमें से कोई भी समस्या है तो लौंग की चाय जरूर पिएं।

पाचन

लौंग की चाय का सेवन करने से पाचन को बेहतर रखा जा सकता है। अगर आपको पाचन संबंधी समस्या है तो आप लौंग की चाय का सेवन कर सकते हैं।

मेटाबॉलिज्म

रोजाना सुबह लौंग की चाय का सेवन करें, इससे आपका मेटाबॉलिज्म दर बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इससे वजन घटाने में भी मदद मिल सकती है।

लौंग की चाय बनाने की विधि

1. 1/2 इंच अदरक, 1 दालचीनी और 1/4 चम्मच लौंग को 3 कप उबलते हुए पानी में डालें।

2.मीडियम आंच में 5 मिनट तक उबलें।

3. फिर उसे छलनी की मदद से एक कप से छान लें और ठंडा होने दें।

4. शहद डाल कर चाय के मजे लें।

समर वेकेशन का बना रहे प्लान तो जरूर रख लें ये ब्यूटी प्रोडक्ट्स, घूमने का मजा होगा दोगुना

गर्मियों में कई लोग छुट्टियों में घूमने का प्लान बनाते हैं। खासकर बच्चों के स्कूल की छुट्टियां होते ही परिवार घूमने का प्लान बनाने लगते हैं। इसके लिए वह हॉलिडे डेस्टिनेशन सर्च करना स्टार्ट कर देते हैं। इसके लिए बेस्ट डेस्टिनेशन, बेस्ट होटल और बेस्ट खाना आदि के बारे में सर्च करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसी चीजें होती हैं, जिनपर ध्यान देना बहुत जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप भी गर्मी में छुट्टियों का प्लान बना रहे हैं तो अपनी वेकेशन को परफेक्ट बनाने के लिए इन चीजों को बैग में पैक करना न भूलें।

सनस्क्रीन

गर्मियों के मौसम में धूप से तो सभी परेशान रहते हैं। वहीं हमारी स्किन भी टैन हो जाती है। थोड़ी देर के लिए धूप में निकलना सही हो सकता है। लेकिन जब बात पूरे दिन धूप में घूमना हो तो अपनी स्किन का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। चिलचिलाती धूप के कारण सनबर्न की समस्या भी हो सकती है। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन को यूवी किरणों से बचाना चाहते हैं। तो अपने बैग में सनस्क्रीम रखना न भूलें। इसके साथ ही बैग में मॉस्किटो क्रीम भी रख सकते हैं।

सनग्लास

तेज धूप से न सिर्फ हमारी स्किन बल्कि हमारी आंखें भी जलने लगती हैं। वहीं तेज धूप के चलते कई बार आंखों में जलन होने के कारण आंसू निकलने लगते हैं। ऐसे में अगर आप अपने समर वेकेशन को परफेक्ट बनाना चाहते हैं, सनस्क्रीम के अलावा सनग्लास जरूर रखें। सनग्लास को पहनने से आपकी आंखों को कोई नुकसान नहीं होगा।

मेडिकल किट

अगर आप समर वेकेशन में बच्चों के साथ जा रहे हैं, तो आपको मेडिकल किट जरूर रखना चाहिए। क्योंकि यदि वेकेशन के दौरान किसी की तबियत खराब होती है तो इसके लिए दवा रखना न भूलें। सर्दी–जुकाम, दर्द, बुखार, उल्टी आदि की दवा पैक करती हैं। साथ में आप ओआरएस का पैकेट भी रख सकती हैं। डेटॉल और हैंडिप्लस आदि पैक करना न भूलें।

जरूर पैक करें हल्के कपड़े

गर्मियों में हल्के फैब्रिक वाला कपड़ा आराम देता है। इसलिए वेकेशन के दौरान हल्के फैब्रिक वाले कपड़े ही पैक करें। इनको पहनना भी काफी आसान होता है और घूमने–फिरने में कंफर्टेबल रहेंगे।

इन चीजों को जरूर करें पैक

यदि आप भी इस गर्मियों की छुट्टी में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो पेपर सॉप, वाटरप्रूफ पाउच, पावर बैंक और सेल्फी स्टिक भी पैक कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो बच्चों व अपने लिए हेल्दी फास्ट फूड रख सकते हैं। वहीं ठंडे पानी की बोतल रखना न भूलें।

संक्षिप्त

मदर डेयरी ने लॉन्च किया भारत का पहला मिट्टी में घुलनशील दूध पाउच, पर्यावरण को मिलेगी राहत

नई दिल्ली,एजेंसी। मदर डेयरी ने पर्यावरण और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए एक नए तरह का दूध पाउच पेश किया है। यह पाउच मिट्टी में प्राकृतिक रूप से सड़ जाएगा। कंपनी ने मंगलवार, 2 जून को इसकी घोषणा की। यह भारत का पहला ऐसा दूध पाउच है जो मिट्टी में प्लास्टिक का कोई निशान नहीं छोड़ेगा। कंपनी 5 जून, विश्व पर्यावरण दिवस से दिल्ली–एनसीआर में इसका उपयोग करेगी। यह शुरुआत में गाय के दूध के लिए होगा। मदर डेयरी नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी प्रतिदिन लगभग 55 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है। नए पाउच में एक अनूठी पैकेजिंग तकनीक का उपयोग किया गया है। यह सामग्री बायोउपलब्ध मोम में बदल जाती है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव इसे प्राकृतिक तत्वों में तोड़ देते हैं। एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने बताया कि यह पैकेजिंग कुछ वर्षों में मिट्टी में सड़ जाएगी। इससे उपभोक्ता दूध की कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मीनेश शाह ने कहा कि मदर डेयरी ग्रह की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल क्षेत्र की नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है। यह भविष्य के लिए तैयार और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति समर्पण है। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने बताया कि इस पाउच को विकसित करने में चार साल से अधिक का शोध लगा। इसका उद्देश्य पर्यावरण में प्लास्टिक का कोई निशान न छोड़ना है। ये दूध पाउच रीसायकिल योग्य बने रहेंगे। इनकी मुख्य विशेषता प्राकृतिक तत्वों में विघटित होने की क्षमता है। यह प्लास्टिक की चुनौती से निपटने में मदद करेगा। मदर डेयरी 1974 में स्थापित हुई थी और दूध व दूध उत्पादों का उत्पादन करती है। इसमें दही, आइसक्रीम, पनीर और घी शामिल हैं। कंपनी धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल और सफल ब्रांड के तहत फल, सब्जियां व स्नैक्स भी बेचती है।

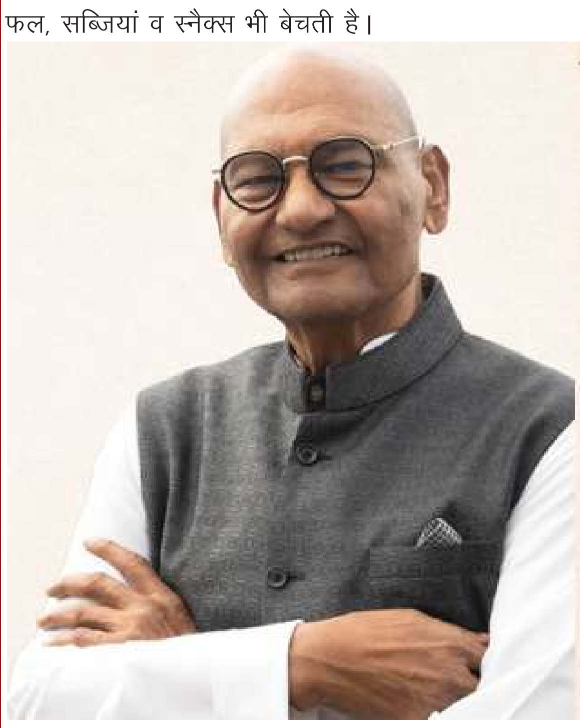

अनिल अग्रवाल के वेदांता समूह पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को वेदांता समूह के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ईडी ने कई जगहों पर छापेमारी की। कारोबारी अनिल अग्रवाल के वेदांता समूह पर ईडी ने फेमा उल्लंघन मामले में यह कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बताया किये तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन की जांच का हिस्सा हैं। ईडी के वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि जांच के सिलसिले में मंगलवार को दिल्ली और मुंबई में वेदांता समूह से जुड़े दो ठिकानों पर तलाशी ली। अधिकारियों के अनुसार, ये तलाशी अभियान, जो अब संपन्न हो चुके हैं, समूह की कंपनियों द्वारा अपनी मूल कंपनी को कथित तौर पर किए गए ब्रांड शुल्क भुगतान से संबंधित हैं। जांच एजेंसी ने फेमा प्रावधानों के तहत जांचे जा रहे इन कथित लेन–देन से जुड़े दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए हैं। एक अधिकारी ने बताया, ईडी की टीमों ने दिल्ली और मुंबई में एक–एक स्थान पर तलाशी ली। यह अभियान सोमवार को शुरू हुआ था और अब संपन्न हो गया है। अधिकारी इन भुगतानों से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड और समझौतों की समीक्षा कर रहे हैं। जांचकर्ता कथित तौर पर ब्रांड उपयोग के लिए किए गए भुगतानों की जांच कर रहे हैं और यह पता लगा रहे हैं कि क्या ये लेन–देन विदेशी मुद्रा नियमों के अनुरूप थे। वेदांता के एक प्रवक्ता के अनुसार, हम अधिकारियों को पूरा सहयोग दे रहे हैं और मांगी गई सभी जानकारी प्रदान कर रहे हैं। कंपनी सभी लागू कानूनों और विनियमों का अनुपालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। सूत्रों के अनुसार, यह अभियान अब समाप्त हो चुका है और अधिकारी मामले में अगले कदम तय करने से पहले तलाशी के दौरान एकत्र किए गए दस्तावेजों और रिकॉर्ड का विश्लेषण करेंगे। एकत्र की गई सामग्री की जांच पूरी होने के बाद आगे के विवरण की प्रतीक्षा है। ईडी ने अभी तक तलाशी पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस बीच, वेदांता लिमिटेड ने पिछले महीने शेयर बाजारों को सूचित किया था कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने उसकी सहायक कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड के खिलाफ बिजली उपलब्धता की कथित गलत घोषणा से संबंधित एक मामले में फैसला सुनाया था, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 127 करोड़ रुपये का जुर्माना और लागू विलंबित भुगतान अधिभार देना पड़ा था। एक नियामक फाइलिंग में, वेदांता ने बताया था कि उसे 20 मई को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पंजाब राज्य पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और पंजाब स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर द्वारा दायर अपीलों में सुनाए गए एक फैसले के संबंध में एक प्रकटीकरण प्राप्त हुआ था। ईडी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत तब कार्रवाई करता है।

आईपीएल की ट्रॉफी जीतने के बाद प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंचे विराट-अनुष्का, इस अंदाज में नजर आया कपल

नई दिल्ली,एजेंसी। विराट कोहली की आरसीबी ने हाल ही में अपना दूसरा आईपीएल खिताब जीता है। हर बार की तरह अनुष्का शर्मा इस बार भी आरसीबी और विराट कोहली को सपोर्ट करने पहुंची थीं। अब दूसरा खिताब जीतने के बाद विराट कोहली और अनुष्का शर्मा सीधे प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंचे हैं। विराट–अनुष्का ने वृंदावन में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज के आश्रम का दौरा किया। दोनों ने प्रेमानंद महाराज के राधा केली कुंज आश्रम पहुंचकर उनका आशीर्वाद लिया। अब अनुष्का और विराट की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इनमें विराट और अनुष्का आध्यात्मिक गुरु से मुलाकात के बाद आश्रम से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। पिछले कुछ साल में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा अक्सर वृंदावन जाते रहे हैं और प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लेते रहे हैं। यह कपल अक्सर अपने जीवन में

आध्यात्मिकता के महत्व के बारे में बात करता रहा है और कई धार्मिक और आध्यात्मिक समारोहों में एक साथ देखा गया है। आरसीबी के लगातार दूसरे आईपीएल खिताब जीत के बाद अनुष्का ने मैदान पर और मैदान के बाहर भी जश्न मनाया गया। इसमें अनुष्का के सोशल मीडिया पोस्ट और डांस वीडियो भी शामिल थे। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर अपनी लगातार दूसरी ट्रॉफी अपने नाम की है।

मौका मिले तो नरेंद्र मोदी स्टेडियम को गिराकर दोबारा बनाऊंगा ललित मोदी ने क्यों कहा ऐसा? कमियां भी गिनाईं

उन्होंने कहा, तकनीक मौजूद है। आप पांच सितारा होटल जैसी गुणवत्ता वाले बाथरूम बना सकते हैं, सेल्फ–क्लीनिंग टॉयलेट्स लगा सकते हैं और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार कर सकते हैं।

लंदन,एजेंसी। आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी ने करिश्मा मेहता के साथ बातचीत में नरेंद्र मोदी स्टेडियम के भविष्य को लेकर अपनी सोच साझा की। उनका मानना है कि यह स्टेडियम दुनिया के सबसे बेहतरीन खेल परिसरों में बदल सकता है, लेकिन इसके लिए आधुनिक सुविधाओं और प्रशंसकों के अनुभव पर विशेष ध्यान देना होगा। मोदी ने कहा, श्अगर मैं आज वहां होता तो मैं इस स्टेडियम को गिराकर पूरी तरह से दोबारा बनाता। आधुनिक एस्केलेटर, आधुनिक किचन, आधुनिक रेस्तरां बनाता। इसे 365 दिन सक्रिय रहने वाली जगह में बदल देता। ललित मोदी का मानना है कि आधुनिक स्टेडियम केवल मैचों तक सीमित नहीं होने चाहिए। उन्होंने ऐसे परिसर की कल्पना की जिसमें शॉपिंग मॉल, मनोरंजन क्षेत्र, बेहतर कूलिंग सिस्टम, प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी सुविधाएं और दर्शकों के लिए अधिक आरामदायक माहौल हो। उन्होंने कहा, तकनीक मौजूद है। आप पांच सितारा होटल जैसी गुणवत्ता वाले बाथरूम बना सकते हैं, सेल्फ–क्लीनिंग टॉयलेट्स लगा सकते हैं और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार कर सकते हैं। दर्शकों को पांच मिनट के भीतर स्टेडियम में प्रवेश और बाहर निकलने की सुविधा मिलनी चाहिए। बातचीत के दौरान मोदी ने भारत के कई स्टेडियमों के संचालन के तरीके पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि अक्सर ध्यान दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के बजाय राजस्व बढ़ाने पर केंद्रित रहता है। उन्होंने कहा, श्मैच तीन घंटे का होता है, लेकिन दर्शक उससे काफी पहले पहुंच जाते हैं। वे वहां चार से पांच घंटे बिताते हैं और अक्सर उनके साथ छोटे बच्चे भी होते हैं। ऐसे में स्वच्छ सुविधाएं, अच्छा भोजन और आरामदायक माहौल होना जरूरी है। यही वह चीज है जिसकी कमी महसूस होती है। ललित मोदी के मुताबिक, आने वाले समय में स्टेडियमों को केवल मैच वाले दिनों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। उनका मानना है कि खेल परिसरों को ऐसे मनोरंजन केंद्रों में बदलना होगा जो पूरे साल लोगों को आकर्षित करें। उन्होंने कहा कि स्टेडियमों का भविष्य ऐसे बहुउद्देश्यीय केंद्रों में है, जो सालभर सक्रिय रहें और लोगों को खेल के साथ–साथ अन्य मनोरंजन सुविधाएं भी प्रदान करें। ललित मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर में खेल परिसरों को आधुनिक तकनीक और दर्शक–केंद्रित सुविधाओं के साथ विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है।

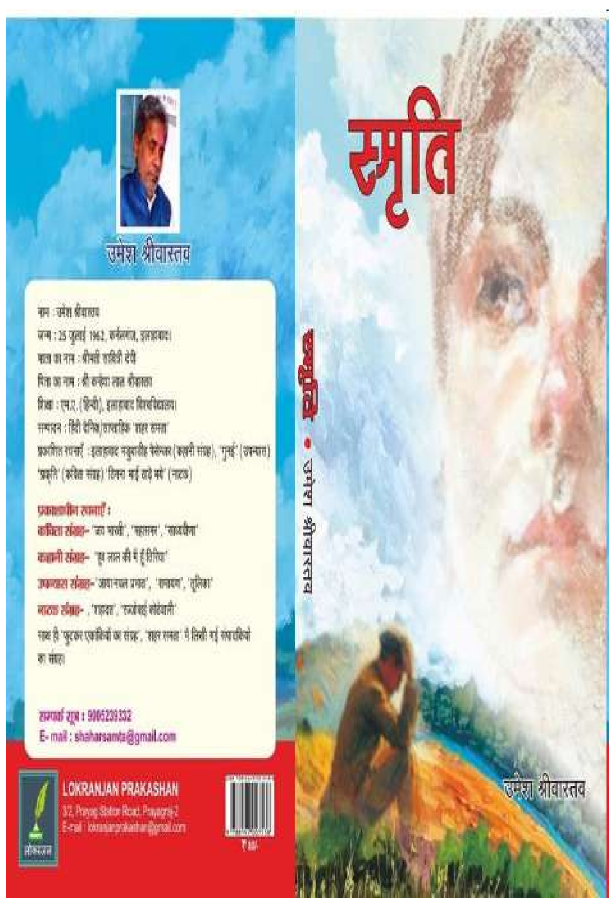

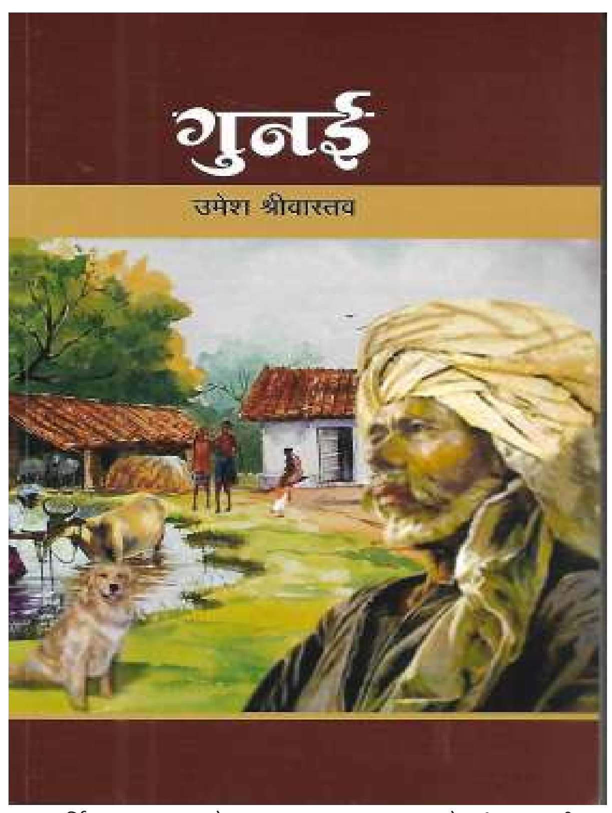

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

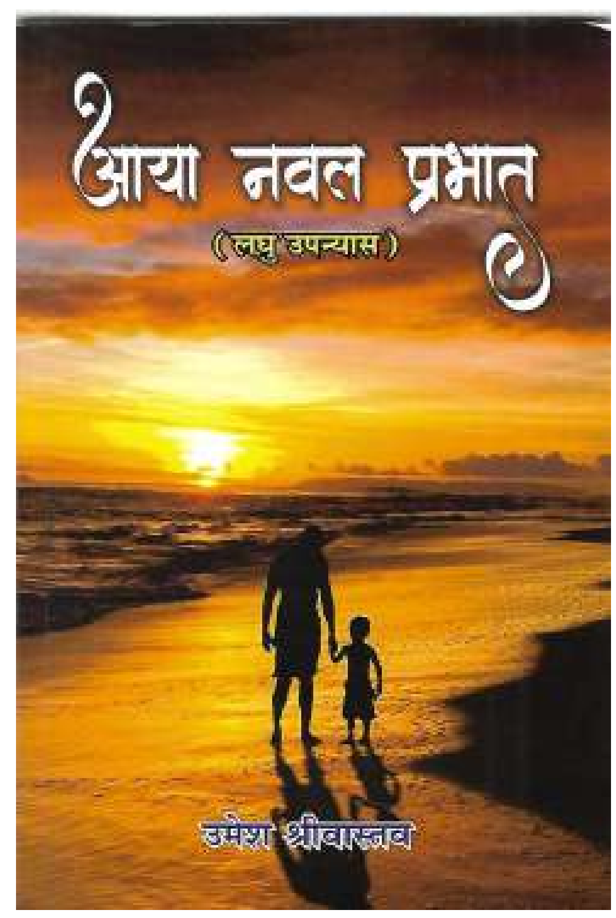

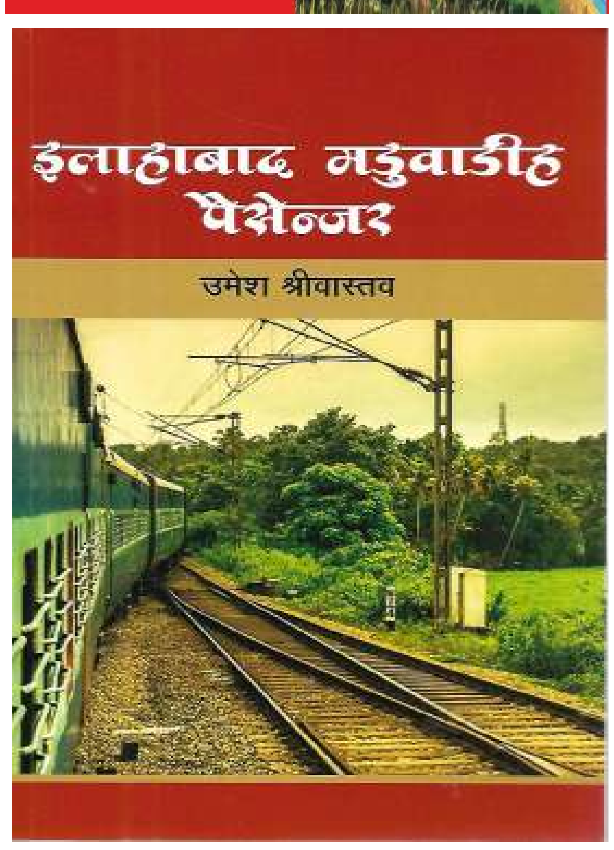

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

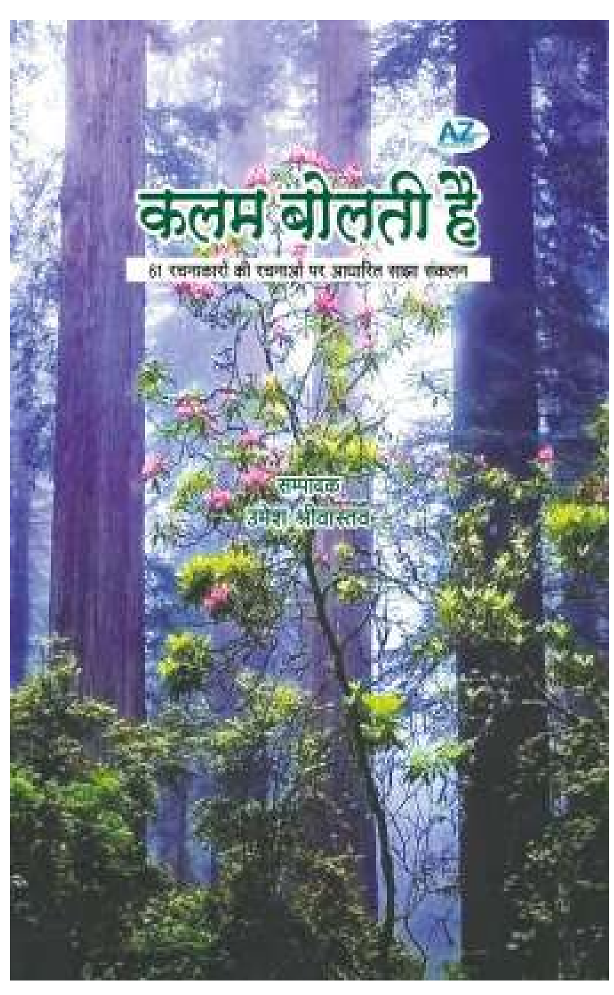

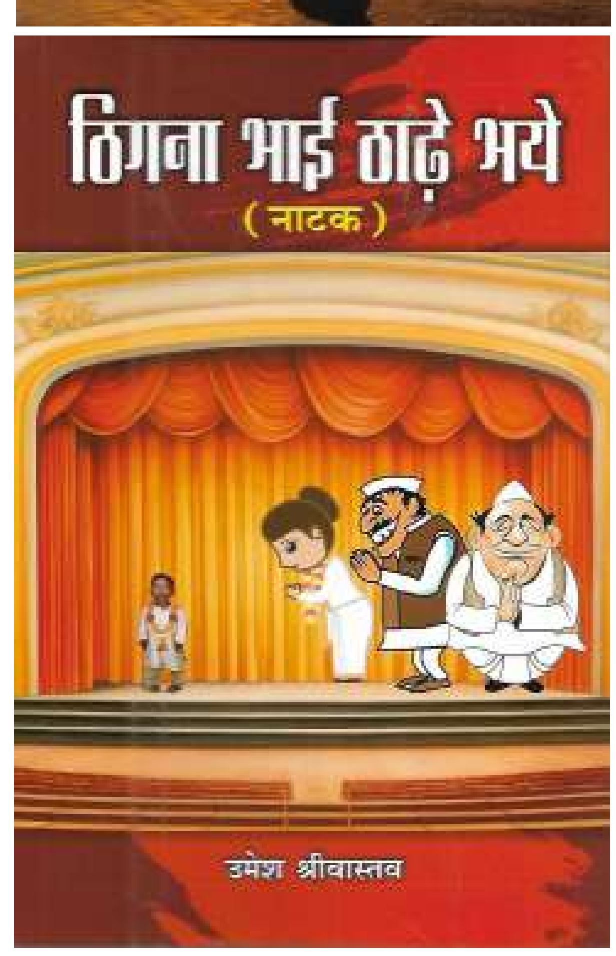

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दो देशों के बीच ड्रग्स तस्करी के लिए खोदी सुरंग, लिफ्ट से लेकर रेल तक की सुविधाय 427 करोड़ रु0 की कोकीन जब्त

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच एजेंसियों ने मेक्सिको से दक्षिणी कैलिफोर्निया तक फैली एक अत्याधुनिक भूमिगत सुरंग का भंडाफोड़ किया है। इसके साथ ही करीब 427 करोड़ रुपये की एक टन से अधिक कोकीन भी जब्त की है।

अधिकारियों ने इसे एक शक्तिशाली मैक्सिकन ड्रग कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया है। कई महीनों तक चली निगरानी के बाद इस गुप्त तस्करी मार्ग का खुलासा हुआ, जो अमेरिका–मेक्सिको सीमा के पास स्थित एक कथित खुदरा स्टोर के नीचे से होकर गुजरता था। इस मामले में चार लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य आरोप लगाए गए हैं। यह भूमिगत सुरंग मेक्सिको के तिजुआना शहर से कैलिफोर्निया के ओटे मेसा पोर्ट ऑफ एंट्री के पास स्थित ष्बाय 4 लेसष् नामक कथित स्टोर तक जाती थी। संघीय अधिकारियों के अनुसार, सुरंग की लंबाई करीब 1,933 फीट थी और यह जमीन से लगभग 55 फीट नीचे बनाई गई थी। इसमें मजबूत दीवारें, बिजली, वेंटिलेशन सिस्टम और रेल नेटवर्क भी मौजूद था। इस मामले में सैन डिएगो निवासी ग्रेगोरियो एपिफानियो हर्नांडेज लोपेज, मेक्सिको के ब्रैंडन एस्कालांते सैंडोवल, सैन डिएगो के जोस जिमेनेज और मेक्सिको के एंटोनियो कॉर्टेज पर आरोप लगाए गए हैं। हर्नांडेज लोपेज पर सीमा पार सुरंग के इस्तेमाल की साजिश और नियंत्रित पदार्थों के आयात की साजिश का आरोप है। वहीं, चारों आरोपियों पर नियंत्रित पदार्थों के वितरण की साजिश का मामला दर्ज किया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, ष्इन आरोपियों के लिए सुरंग के आखिर में रोशनी नहीं थी, बल्कि पुलिस की लाइटें और सायरन थे।ष् यह जांच होमलैंड सिक्योरिटी टास्क फोर्स ने दिसंबर 2025 से मई 2026 के बीच की। एजेंसियों ने पाया कि ष्बाय 4 लेसष् नामक व्यवसाय में ग्राहकों की आवाजाही बेहद कम थी और उसकी गतिविधियां सामान्य खुदरा कारोबार से मेल नहीं खाती थीं। जांचकर्ताओं ने हर्नांडेज और अन्य लोगों को कई बार बड़े सूटकेस परिसर से बाहर ले जाते और अन्य संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होते देखा। तलाशी के दौरान अधिकारियों को 851 पैकेट मिले, जिनमें मौजूद पदार्थ की जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। जब्त खेप में एक ट्रक से 286.2 किलोग्राम, दूसरे ट्रक से 469.4 किलोग्राम और एक वैन से 274 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई। कुल मिलाकर लगभग 1,029.6 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की गई। ड्रग्स कार्टेल के लिए बड़ा झटका होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस (एचएसआई) सैन डिएगो के कार्यवाहक विशेष एजेंट प्रभारी केविन मर्फी ने कहा, ष्यह कार्रवाई जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के लिए बड़ा झटका है। इस अत्याधुनिक सीमा–पार सुरंग का पता लगना और एक टन से अधिक कोकीन की बरामदगी एचएसआई और उसके साझेदारों की प्रतिबद्धता और समन्वय को दर्शाती है।ष् स्टोर के अंदर जांचकर्ताओं को एक भंडारण कक्ष के फर्श के नीचे सुरंग का निकास मिला। अधिकारियों के अनुसार, सुरंग तक पहुंचने के लिए एक अत्याधुनिक हाइड्रोलिक लिफ्ट का इस्तेमाल किया जाता था। यह सुरंग स्टोर से अंतरराष्ट्रीय सीमा तक 1,000 फीट से अधिक दूरी तक जाती थी और फिर मेक्सिको में आगे बढ़ती थी। अब तक 99 भूमिगत सुरंगों को हुआ खुलासा अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल के सैन डिएगो सेक्टर प्रमुख जस्टिन डी ला टोरे ने कहा, ष्आपराधिक संगठन लगातार सीमा का फायदा उठाने के नए तरीके खोजते हैं, लेकिन वे इसकी रक्षा करने वाले अधिकारियों के संकल्प को कम आंकते हैं।ष् अधिकारियों के अनुसार, 1993 से अब तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में 99 भूमिगत सुरंगों का पता लगाया जा चुका है, जिनमें से 28 को अत्याधुनिक श्रेणी में रखा गया है। इस क्षेत्र में आखिरी सक्रिय सुरंग 2022 में मिली थी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सीमा–पार सुरंगें मेक्सिकन ड्रग तस्करी संगठनों के लिए अमेरिका में मादक पदार्थ पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुकी हैं। इन सुरंगों में अक्सर बिजली, वेंटिलेशन और रेल प्रणाली जैसी उन्नत सुविधाएं होती हैं, जिनकी मदद से बड़ी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी की जाती है।

सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल में बवाल: सैन्य भर्ती के खिलाफ कट्टरपंथी यहूदी सड़कों पर उतरे, हिंसा–आगजनी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में सोमवार को हजारों अति–रूढ़िवादी (अल्ट्रा–ऑर्थोडॉक्स) यहूदियों ने देशभर में प्रदर्शन किया। जिससे हिंसा और बवाल की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों और रेल मार्गों को अवरुद्ध कर दिया तथा कई स्थानों पर वाहनों में आग लगा दी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। इस्राइली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को जाम कर दिया और एक स्थान पर बस से उतरे एक सैनिक पर भी हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन और घुड़सवार बल का सहारा लेना पड़ा। विरोध प्रदर्शन के चलते इस्राइल में यातायात थमा विरोध प्रदर्शन के कारण यरुशलम और तेल अवीव महानगरीय क्षेत्र समेत देश के मध्य हिस्से में यातायात व्यवस्था लगभग ठप हो गई। कई राजमार्ग बंद कर दिए गए और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित रहीं। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

'अवैध रूप से ट्रांसजेंडर सैनिकों को प्रतिबंधित किया', अदालत का बड़ा फैसला, क्या ट्रंप सरकार के लिए झटका?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की वह नीति, जिसके तहत ट्रांसजेंडर सैनिकों को सैन्य सेवा से बाहर रखा गया था, अवैध है। संघीय अपील अदालत के न्यायाधीशों के एक विभाजित पैनल ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। अमेरिकी अपील अदालत के डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के तीन न्यायाधीशों के पैनल के बहुमत वाले फैसले में मार्च 2025 में वॉशिंगटन डीसी की अमेरिकी जिला न्यायाधीश एना रेयेस के फैसले को बड़े पैमाने पर बरकरार रखा गया। रेयेस ने अपने फैसले में कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्रांसजेंडर सैनिकों को सैन्य सेवा से बाहर करने संबंधी कार्यकारी आदेश संभवतः उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता

है। रेयेस द्वारा छह सक्रिय ट्रांसजेंडर सैन्यकर्मियों और सेना में शामिल होने की इच्छा रखने वाले दो अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी किए जाने के बाद प्रशासन ने इसके खिलाफ अपील की थी। अपील अदालत के बहुमत ने फैसला दिया कि निषेधाज्ञा का दायरा सीमित किया जाए और यह केवल उन वादियों पर लागू हो जो वर्तमान में सेना में सेवा दे रहे हैं। सेना में शामिल होने की कोशिश कर रहे लोगों को इसमें शामिल नहीं किया गया। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू नहीं होगा, जिससे ट्रंप प्रशासन को पूरे अपील न्यायालय से मामले की सुनवाई कराने का अनुरोध करने के लिए समय मिल जाएगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट दे चुका है ट्रांसजेंडर सैन्य प्रतिबंध को लागू रहने की अनुमति अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पिछले वर्ष ट्रांसजेंडर सैन्य प्रतिबंध को लागू रहने की अनुमति दे चुका है, जबकि इस मामले से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया अभी जारी है। इस प्रतिबंध को चुनौती देने वाला एक अन्य मुकदमा वॉशिंगटन राज्य में भी दायर किया गया था, जिसमें अदालत ने नीति को चुनौती देने वाले वादियों के पक्ष में फैसला सुनाया था। जनवरी 2025 में ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कहा गया था कि ट्रांसजेंडर सैन्यकर्मियों की यौन पहचान श्एक सैनिक की सम्मानजनक, सत्यनिष्ठ और अनुशासित जीवनशैली के प्रति प्रतिबद्धता से टकराती है, यहां तक कि उसके निजी जीवन में भीश और यह सैन्य तैयारियों के लिए हानिकारक है। ट्रंप प्रशासन की नीति में जेंडर डिस्फोरिया से पीड़ित लोग माने गए अयोग्य इस आदेश के जवाब में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ऐसी नीति जारी की, जिसके तहत जेंडर डिस्फोरिया से पीड़ित लोगों को सैन्य सेवा के लिए सामान्य रूप से अयोग्य माना गया। जेंडर डिस्फोरिया वह मानसिक परेशानी है, जो तब महसूस होती है जब किसी व्यक्ति को जन्म के समय निर्धारित लिंग और उसकी लैंगिक पहचान में मेल नहीं होता। इस चिकित्सीय स्थिति को अवसाद और आत्महत्या के विचारों से भी जोड़ा गया है। बहुमत की ओर से लिखते हुए न्यायाधीश रॉबर्ट विल्किंस ने कहा कि यह नीति ऐसा प्रतीत होती है कि इसे केवल एक राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय समूह, यानी स्वयं को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानने वाले लोगों को नुकसान पहुंचाने की इच्छा से प्रेरित होकर बनाया गया है। विल्किंस को डेमोक्रेट राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अदालत में नामित किया था। ट्रंप की ओर से नामित न्यायाधीश ने जताई असहमति अपने असहमति वाले मत में न्यायाधीश जस्टिन वॉकर ने कहा कि अदालतों के पास ट्रांसजेंडर सैनिकों को बाहर रखने के फैसले पर पुनर्विचार करने का अधिकार नहीं है। वॉकर ने लिखा, श्हमारे पास न तो यह विशेषज्ञता है और न ही यह अधिकार कि हम तय करें कि सेना वादियों को अपनी पंक्तियों से बाहर रख सकती है या नहीं। संविधान यह अधिकार कांग्रेस और कमांडर इन चीफ को देता है। वॉकर को रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने अदालत में नामित किया था। डेमोक्रेट राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा नामित न्यायाधीश जूडिथ रोजर्स ने विल्किंस की राय का समर्थन किया, हालांकि उन्होंने आंशिक रूप से असहमति भी जताई।

जापान में जांगमी तूफान का कहरः नौ लोग घायलय 300 से ज्यादा उड़ानें रद्द, 47 हजार से अधिक घरों की बिजली गुल

टोक्यो,एजेंसी। जापान में उष्णकटिबंधीय तूफान जांगमी (टाइफून नंबर–6) के प्रभाव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। मंगलवार दोपहर तक तूफान से जुड़ी घटनाओं में नौ लोग घायल हो गए, जबकि ओकिनावा और कागोशिमा प्रांतों में 47 हजार से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। जापान के मौसम विज्ञान ने क्या जानकारी दी? जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, मंगलवार सुबह 11रू45 बजे तक जांगमी कागोशिमा प्रांत के याकूशिमा द्वीप से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में स्थित था और 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर–पूर्व दिशा में बढ़ रहा था। तूफान का केंद्रीय दबाव 975 हेक्टोपास्कल दर्ज किया गया, जबकि केंद्र के निकट हवाओं की गति 25 मीटर प्रति सेकंड तक पहुंच रही थी। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि मंगलवार सुबह तक कागोशिमा और ओकिनावा में छह घरों को आंशिक नुकसान

पहुंचा है। कई स्थानों पर जलभराव, पेड़ गिरने और तेज हवाओं के कारण वस्तुओं के उड़ने की घटनाएं सामने आई हैं। घायल हुए सभी नौ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। तूफान के कारण 47000 से ज्यादा घरों की बिजली ठप तूफान के कारण दोनों प्रांतों में करीब 47,930 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। परिवहन सेवाओं पर भी व्यापक असर पड़ा है। एहतियातन दो एक्सप्रेसवे मार्गों के 15 खंड बंद कर दिए गए हैं, जबकि एक रेल लाइन पर सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। इसके अलावा, छह अन्य रेल ऑपरेटरों ने 19 रेल लाइनों पर सेवाएं रोकने की योजना बनाई है। खराब मौसम के चलते मुख्य रूप से क्यूशू क्षेत्र से आने–जाने वाली 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। समुद्री परिवहन भी प्रभावित हुआ है और किंकी, शिकोकू, क्यूशू व ओकिनावा क्षेत्रों में 57 कंपनियों के 64 नौवहन मार्गों पर सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। राहत और बचाव कार्य तेज सरकार ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। किहारा ने चेतावनी दी कि बुधवार सुबह से टोक्यो महानगरीय क्षेत्र में भी परिवहन सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने लोगों से स्थानीय प्रशासन के निकासी निर्देशों का पालन करने और समय रहते सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। मौसम एजेंसी ने जारी की चेतावनी मौसम एजेंसी ने तेज हवाओं, ऊंची समुद्री लहरों, तूफानी ज्वार, भूस्खलन, बाढ़ और नदियों के उफान की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, जांगमी मंगलवार को दक्षिणी क्यूशू के करीब पहुंच सकता है और बुधवार को हॉंशू के दक्षिणी तट के साथ उत्तर–पूर्व दिशा में बढ़ते हुए शिकोकू व कांतो क्षेत्रों के निकट पहुंचने की संभावना है। तूफान के केंद्र के उत्तर और पूर्व में सक्रिय घने वर्षा बादलों के कारण उसके पहुंचने से पहले ही कई इलाकों में भारी बारिश शुरू हो गई है। कागोशिमा प्रांत के अमागी कस्बे में पिछले 24 घंटों में 209.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो जून महीने का नया रिकॉर्ड है। मौसम विभाग ने बुधवार सुबह तक टोकाई और किंकी क्षेत्रों में 350 मिमी तक बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा इजु द्वीपों में 300 मिमी, शिकोकू में 250 मिमी, उत्तरी क्यूशू और कांतो–कोशिन में 200 मिमी व दक्षिणी क्यूशू में 180 मिमी तक वर्षा हो सकती है।

अमेरिका: अवैध तरीके से ट्रक चलाने वाले 30 भारतीय गिरफ्तार, जल्द होगा निर्वासन, ऑपरेशन चेकमेट के तहत कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे और व्यावसायिक ट्रक चलाने वाले लगभग 30 भारतीयों को एक संघीय अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इन सभी को जल्द ही देश से निर्वासित किया जाएगा। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि 11 से 15 मई के बीच एरिजोना के युमा सेक्टर में चलाए गए श्ऑपरेशन चेकमेटश के दौरान सीमा गश्ती एजेंटों ने 52 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे। इनमें 36 लोग ऐसे थे जो सेमी–ट्रक चला रहे थे। गिरफ्तार किए गए 36 अवैध ट्रक चालकों में 30 भारतीय नागरिक थे। इसके अलावा मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस के छह नागरिक भी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, इन लोगों के पास कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन और वर्जीनिया जैसे राज्यों से जारी वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस थे, जबकि कुछ के पास किसी भी प्रकार का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। दस्तावेजों की वैधता हो चुकी थी खत्म एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ज्यादातर लोगों के पास रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज थे, जो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में हासिल किए गए थे, लेकिन अब उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। सीबीपी ने कहा कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ संघीय कानून के तहत कार्रवाई की गई है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। एजेंसी ने कहा कि श्ऑपरेशन चेकमेटश का उद्देश्य आव्रजन कानूनों को लागू करते हुए देश में वाणिज्यिक मोटर वाहन चला रहे अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना तथा सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करना है। अमेरिकी सीमा गश्ती बल के युमा सेक्टर के कार्यवाहक प्रमुख एजेंट डस्टिन कॉडल ने कहा, ष्ऑपरेशन चेकमेट हमारी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत हम समुदायों और सड़कों को ऐसे अवैध चालकों से सुरक्षित रखना चाहते हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।ष् ट्रंप प्रशासन ने जारी किया था कार्रवाई का आदेश उन्होंने कहा कि संघीय एजेंट प्रतिदिन गश्त कर रहे हैं ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके और अमेरिका की सड़कों पर होने वाली घातक दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

हिंदूफोबिया और मंदिरों पर हमलों की निंदा का प्रस्ताव, भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने किया समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक प्रमुख सांसद ने प्रतिनिधि सभा के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें हिंदू–अमेरिकी समुदाय के देश की अर्थव्यवस्था में योगदान का सम्मान किया गया है। इसके साथ ही हिंदूफोबिया, हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह और मंदिरों पर हमलों की निंदा की गई है। इस प्रस्ताव का समर्थन सोमवार को डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने किया। इसे मिशिगन से भारतीय मूल के डेमोक्रेट सांसद श्री थानेदार ने पेश किया था। 24 जनवरी 2025 को पेश किए गए इस प्रस्ताव को अब तक 32 सांसदों का समर्थन मिल चुका है। इनमें राजा कृष्णमूर्ति और सुहास सुब्रमण्यम भी शामिल हैं। कैलिफोर्निया का प्रतिनिधित्व करने वाले डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस प्रस्ताव के समर्थन की घोषणा की। प्रस्ताव को लेकर क्या बोले रो खन्ना?

रो खन्ना ने अपनी पोस्ट में कहा, "मुझे सांसद श्री थानेदार के विधेयक भ्.त्मे.69 का सह–प्रायोजक बनने पर गर्व है। यह प्रस्ताव अमेरिका में हिंदू–अमेरिकी समुदाय के निरंतर योगदान और उसकी जीवंत विविधता का सम्मान करता है, जबकि हम अपने देश के बहुजातीय लोकतंत्र को और मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं।" प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू धर्म दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है, जिसके 100 से अधिक देशों में 1.2 अरब से ज्यादा अनुयायी हैं। इसमें जिक्र किया गया है कि हिंदू धर्म विभिन्न परंपराओं और आस्था प्रणालियों का समूह है, जो स्वीकार्यता, पारस्परिक सम्मान और शांति जैसे सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देता है। अमेरिका ने 40 लाख से ज्यादा हिंदुओं का किया स्वागत प्रस्ताव के अनुसार, 1900 के दशक से अमेरिका ने दुनिया भर से 40 लाख से अधिक हिंदुओं का स्वागत किया है, जो विभिन्न नस्लीय, भाषाई और जातीय पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें कहा गया है कि हिंदू–अमेरिकियों के योगदान से अमेरिका को उसकी अर्थव्यवस्था और लगभग हर उद्योग क्षेत्र में लाभ मिला है। प्रस्ताव में रेखांकित किया गया है कि हिंदू–अमेरिकियों ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था और विभिन्न उद्योगों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं, हिंदू परंपराओं और प्रथाओं ने दर्शन, आयुर्वेद, कला, संगीत, नृत्य, फैशन, ध्यान, योग और सामुदायिक सेवा के माध्यम से अमेरिकी समाज को समृद्ध बनाया है। हिंदूफोबिया समेत इन मामलों की निंदा अमेरिका में बढ़ते हिंदूफोबिया, हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह, नफरत और असहिष्णुता की निंदा करते हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि सकारात्मक योगदान के बावजूद हिंदू–अमेरिकियों को उनकी विरासत और प्रतीकों को लेकर रूढ़िवादी धारणाओं तथा भ्रामक सूचनाओं का सामना करना पड़ता है। वे स्कूलों और कॉलेज परिसरों में उत्पीड़न, भेदभाव, घृणास्पद भाषण और पूर्वाग्रह से प्रेरित अपराधों का भी निशाना बनते हैं। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि महात्मा गांधी और उनकी शिक्षाओं का प्रभाव मार्टिन लूथर किंग जूनियर पर पड़ा था। किंग ने स्वीकार किया था कि हिंदू दर्शन से निकली अहिंसक सविनय अवज्ञा की शिक्षाओं ने अमेरिका के नागरिक अधिकार आंदोलन पर सकारात्मक प्रभाव डाला। प्रस्ताव में किया गया नफरती अपराधों का जिक्र संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की श्हेट क्राइम्स स्टैटिस्टिक्स रिपोर्टश का हवाला देते हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि मंदिरों और व्यक्तियों को निशाना बनाने वाले हिंदू विरोधी घृणा अपराधों में हर साल वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही अमेरिकी समाज में हिंदूफोबिया भी बढ़ रहा है। प्रस्ताव में अमेरिका में हिंदुओं और हिंदू धर्म के ऐतिहासिक तथा निरंतर योगदान का सम्मान किया गया है। साथ ही अमेरिका की विविधता को समृद्ध बनाने में हिंदू संस्कृति की भूमिका को मान्यता दी गई है और हिंदू–अमेरिकियों के स्वागत के प्रति देश की प्रतिबद्धता दोहराई गई है।

ट्रंप प्रशासन की लापरवाही से ताकतवर हो सकती है चीनी सेना, अमेरिकी सांसदों ने क्यों लगाए ये गंभीर आरोप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर निर्यात नियंत्रण नियमों में खामी छोड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस चूक के कारण अमेरिका की अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (।प्) चिप्स चीनी कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिससे चीन की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलने की आशंका है। मैसाचुसेट्स की सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन और न्यू जर्सी के सीनेटर एंडी किम ने कहा कि पिछले 18 महीनों में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट न करने के कारण उन्नत अमेरिकी तकनीक अनजाने में चीन स्थित कंपनियों तक पहुंच सकती है। ट्रंप प्रशासन ने डेढ़ साल से निर्यात नियंत्रण नियमों को नहीं किया लागू दोनों सांसदों ने संयुक्त बयान में कहा, श्ट्रंप प्रशासन ने पिछले डेढ़ साल में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट नहीं किया, जिससे अमेरिका की सबसे उन्नत ।प् चिप्स उन कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिनके मुख्यालय चीन में मौजूद हैं और इससे चीन की सैन्य शक्ति को बढ़ावा मिल सकता है।

ट्रंप की नाराजगी के बाद पीछे हटे नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा- अब लेबनान पर नहीं करेंगे हमले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनान की राजधानी बेरूत पर बड़े सैन्य हमले से रोक दिया है। ट्रंप के अनुसार, उनकी अपील के बाद नेतन्याहू ने अपने सैनिकों को वापस लौटने का निर्देश दिया। ट्रंप ने सोमवार शाम अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, श्आज मेरी बीबी नेतन्याहू से बातचीत हुई। मैंने उनसे बेरूत पर बड़े हमले से बचने का अनुरोध किया और उन्होंने अपने सैनिकों को वापस मोड़ दिया। धन्यवाद बीबी। ट्रंप ने फोन पर नेतन्याहू से जताई नाराजगी यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी मीडिया में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को बेहद तनावपूर्ण और तीखी बताया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, यह फोन कॉल उस समय हुई जब ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के कारण अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को समाप्त करने की चेतावनी दी थी। इससे पहले नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिजबुल्ला इस्राइल पर हमले नहीं रोकता तो बेरूत में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने हिजबुल्लाह नेतृत्व के प्रतिनिधियों से बातचीत की, जिन्होंने इस्राइल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी रोकने पर सहमति जताई। ट्रंप के अनुसार, इस्राइल ने भी जवाबी कार्रवाई रोकने पर सहमति दी है। उन्होंने कहा, श्देखते हैं यह व्यवस्था कितने समय तक चलती है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।